

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर आशीर्वाद का दीया जलाएं: नितिन

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को लोगों से अपील की कि वे 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर अपने घरों में ‘आशीर्वाद का दीया’ जलाएं और उनके लंबे एवं स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना करें। भाजपा ने मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक ‘सेवा संकल्प अभियान’ चलाने की घोषणा की है जिसके तहत जनभागीदारी, कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच बढ़ाने और युवाओं की भागीदारी पर केंद्रित कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पार्टी मोदी के जन्मदिन को ‘सेवा दिवस’ के रूप में मनाएगी और इस अवसर पर देशभर में ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम एवं रक्तदान शिबिर आयोजित करने की योजना है।

नवीन ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर साझा किए गए एक वीडियो संदेश में कहा कि “जनसेवा से देशसेवा” प्रधानमंत्री मोदी के जीवन का मूल ध्येय रहा है और उनके नेतृत्व में भारत ‘विकसित भारत’ के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने लोगों से प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर शाम छह बजे से सात बजे के बीच अपने-अपने घरों में ‘आशीर्वाद का दीया’ जलाने की अपील की। नवीन ने कहा, “मैं ‘आशीर्वाद का दीया’ जलाऊंगा तथा अपने देशवासियों से भी अपील करता हूं कि आप भी ‘आशीर्वाद का दीया’ जलाएं और हमारे प्रधानमंत्री की दीर्घायु एवं उनकी निरंतर सफलता के लिए प्रार्थना करें।” उन्होंने कहा कि देश का नेतृत्व संभालने के बाद मोदी ने “बेहद कठिन परिस्थितियों” का सामना किया और नयी नीतियां बनाईं, नए कार्यक्रम शुरू किए तथा कई ऐसी योजनाएं लागू कीं, जिनसे आम लोगों



के जीवन में बदलाव आया। नवीन ने कोविड महामारी के दौरान मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने लोगों में यह विश्वास पैदा किया कि देश आगे बढ़ सकता है और “चुनौतियों को अवसरों में बदल सकता है।” उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस महामारी के दौरान भारत के टीकाकरण अभियान ने दुनिया को यह संदेश दिया कि देश “आत्मनिर्भर भारत” की दिशा में आगे बढ़ रहा है। नवीन ने युवाओं और महिलाओं के लिए शुरू की गई पहलों का भी उल्लेख करते हुए कहा कि स्टार्टअप से जुड़ी पहलों के माध्यम से देश के युवाओं को “आत्मनिर्भर” और “आर्थिक रूप से स्वतंत्र” बनाने के प्रयास किए गए तथा स्वच्छता, शौचालय संबंधी योजनाओं और ‘लखपति दीदी’ पहल के जरिये महिलाओं की गरिमा सुनिश्चित करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम किया गया। उन्होंने कहा, “हमें विश्वास है कि प्रधानमंत्री के सफल नेतृत्व में इस देश की महिलाओं को उनके अधिकार मिलेंगे और वे इसी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ती रहेंगी।” नवीन ने देश से

नक्सलवाद को “जड़ से उखाड़ने” का श्रेय भी मोदी को देते हुए कहा कि इसकी जड़ें 200 से अधिक जिलों तक फैल गई थीं। उन्होंने कहा, “आज 2026 में जब हम यहां खड़े हैं तो भारत नक्सलवाद से मुक्त हो गया है।” नवीन ने आतंकवाद का जिक्र करते हुए कहा कि देश लंबे समय तक “आतंकवाद के साथे” और “भय के माहौल” में रहा लेकिन प्रधानमंत्री ने इस खतरे का “कड़ा जवाब” दिया है। उन्होंने कहा, “आज हमारी सीमाएं सुरक्षित हैं और जो भी हमें बुरी नजर से देखता है, उसे मुंहतोड़ जवाब दिया जाता है।” नवीन ने कहा कि इन बदलावों से आम लोगों में आत्मविश्वास बढ़ा है और देश की विकास यात्रा के प्रति उनका भरोसा मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा, “प्रधानमंत्री का लक्ष्य देश को विकास के मार्ग पर ले जाना रहा है और लोगों ने इस लक्ष्य पर अपना विश्वास जताया है।” नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 तक ‘विकसित भारत’ का जो सामूहिक संकल्प दिया है, उसे देश को मिलकर पूरा करना होगा।

बंगाल में 17 सांसद भाजपा में होंगे शामिल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में दुर्गापूजा से पहले एक और बड़े राजनीतिक बदलाव की चर्चा तेज हो गई है। तृणमूल कांग्रेस के बागी नेता और कूचबिहार से सांसद जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया ने दावा किया है कि नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया के 20 में से 17 सांसद भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने की तैयारी में हैं। उनके मुताबिक यह बदलाव दुर्गापूजा से पहले या उसके बाद अक्टूबर में हो सकता है।

बसुनिया ने सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि 17 सांसदों ने एक साथ भाजपा में जाने की योजना को अंतिम रूप दे दिया है। उन्होंने दावा किया कि दो-तिहाई से अधिक सांसदों के एक साथ दल बदलने की वजह से उन पर दल-बदल कानून लागू नहीं होगा। उन्होंने कहा कि हम 17 सांसद एक साथ भाजपा में जाने वाले हैं। 20 में से दो-तिहाई से ज्यादा सदस्य साथ जा रहे हैं, इसलिए दल-बदल कानून हम पर लागू नहीं होगा। गौरतलब है कि 14 जून को टीएमसी के 20 बागी सांसदों ने कम चर्चित नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया में विलय का एलान किया था। इन सांसदों ने केंद्र में सत्तारूढ़ एनडीए को अपना समर्थन भी दिया था।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, कपल समेत 4 की मौत

नई दिल्ली। मणिपुर के तामेंगलॉंग जिले में रविवार को हथियारबंद हमलावरों ने दो अलग-अलग घटनाओं को अंजाम दिया. हिंसा में एक कपल समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि छह साल का एक बच्चा गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया. पुलिस के मुताबिक, पहली घटना रविवार सुबह करीब 5:30 बजे कैमाई थाना क्षेत्र के टोलन गांव में हुई. यहां 46 वर्षीय लिंगजंगाई सिंगसिट की गोली लगने से मौके पर ही मौत हो गई. उनके पति सेनेह सिंगसिट और छह वर्षीय बेटे को भी गोली लगी.

गंभीर रूप से घायल सेनेह सिंगसिट ने बाद में दम तोड़ दिया, जबकि बच्चे की हालत गंभीर बताई जा रही है.इसके अलावा जिले में एक अन्य हमले में भी दो लोगों की मौत हुई. गुर्गांव पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि लोंगपी गांव थाने से करीब 30 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है. सड़क की हालत खराब होने के कारण पुलिसकर्मि घटनास्थल तक नहीं पहुंच सके. पुलिस टीम सोमवार सुबह मौके पर पहुंचकर घटनास्थल की जांच करेगी. अभी तक किसी संगठन या समूह ने हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली है.

पंजाब कांग्रेस की गुटबाजी होगी खत्म? पड़ोसी राज्यों के राजनीतिक दिग्गजों की एंट्री से चढ़ा सियासी पारा

चंडीगढ़। पंजाब में चुनावी सरगमियां तेज होने के साथ अब पड़ोसी राज्यों के दिग्गज नेताओं ने भी सियासी मोर्चा संभाल लिया है। भाजपा की ओर से हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी सक्रिय हैं तो कांग्रेस ने राजस्थान के सचिन पायलट को जिम्मेदारी सौंपी है। वहीं, आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेता भी चुनावी रणनीति को धार देने में जुटे हैं।

आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल और अनुराग ढांडा भी सक्रिय हो गए हैं। राजस्थान से भाजपा प्रभारी सतीश पूनिया ने भी बैठकों का दौरा शुरू कर दिया है। पड़ोसी राज्यों के नेताओं की बढ़ती सक्रियता से पंजाब की सियासत में हलचल और तेज हो गई है। हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी लगातार पंजाब के विभिन्न हलकों का दौरा कर रहे हैं और नेताओं और कार्यकर्ताओं से मिल रहे हैं।

वह पिछले कुछ समय से पंजाब भाजपा में दर्जनों नेताओं को शामिल करवा चुके हैं। सैनी के जरिये भाजपा की हरियाणा बॉर्डर से लगती सीटों पर नजर है जहां भाजपा बड़े उलटफेर करने की उम्मीद लगाए बैठी है। हरियाणा के साथ पंजाब के फतेहगढ़ साहिब, रूपनगर, पटियाला,



संगरूर और लुधियाना जिले के विधानसभा के हलके लगते हैं। इन जिलों में हरियाणा के साथ 38 से अधिक विधानसभा सीटें लगती हैं।

इसी तरह हिंदू बहुल व शहरी क्षेत्रों में भी भाजपा अपनी अच्छी पकड़ मानती है। यही कारण है कि ऐसी सभा सीटों पर भाजपा का विशेष फोकस है। इसी तरह सैनी तख्त श्री केसगढ़ साहिब में भी नतमस्तक हो चुके हैं। इस दौरान उन्होंने श्री अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जय्येदार ज्ञानी कुलदीप सिंह से उनके निवास पर जाकर मुलाकात की थी। वह पंजाब के सरपंचों से भी मिल चुके हैं और साथ ही डेराबस्सी और पटियाला समेत अन्य हलकों में आयोजित होने वाले अनेक समारोहों में भाग ले चुके हैं। पंजाब भाजपा के नए प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया ने भी बैठकों का दौरा शुरू कर दिया है।



रायपुर। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर आज मुख्यमंत्री निवास में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण में भगवान श्री गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने परिवारजनों के साथ पूरे विधि-विधान और पारंपरिक रीति-रिवाज से विघ्नहर्ता भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की तथा प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की मंगलकामना की। (विस्तृत समाचार पेज-8 पर)

महिला टीम की एशिया कप जीत पर पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने रविवार को श्रीलंका को 72 रन से हराकर महिला एशिया कप का खिताब अपने नाम कर लिया। यूएई में खेले गए फाइनल में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया और आठवीं बार यह ट्रॉफी जीतने में कामयाब रही। टीम को इस बड़ी जीत के बाद बधाइयों का सिलसिला शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एशिया कप जीतने पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम को बधाई दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में इस जीत को भारतीय क्रिकेट के लिए गर्व का क्षण बताया पीएम मोदी ने कहा कि पूरे दूरगंत में टीम के आत्मविश्वास, निरंतर शानदार प्रदर्शन और बेहतरीन जच्चे की झलक देखने को मिली। उन्होंने महिला टीम की उपलब्धि की सराहना करते हुए इसे देश के लिए प्रेरणादायक बताया। प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई कि यह जीत देशभर के लाखों युवाओं को क्रिकेट और अन्य खेलों से जुड़ने तथा अपने प्रदर्शन से नई ऊंचाइयां हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी।

बंगाल सरकार का 252 मद्रसों को बंद करने का आदेश

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्यव्यापी सर्वेक्षण के बाद 252 मद्रसों को बंद करने का आदेश दिया है। साथ ही करीब 100 अन्य को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। राज्य के पंचायती राज मंत्री दिलीप घोष ने सोमवार को कहा कि मद्रसों के अवैध संचालन की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि केवल वैध सरकारी अनुमति वाले संस्थानों को ही काम करने की अनुमति दी जाएगी। सर्वेक्षण में पाया गया कि इनमें से कई संस्थानों के पास जरूरी मंजूरी नहीं थी और वह बुनियादी ढांचे का भी अभाव था। उन्होंने आगे कहा कि पिछले 20 सालों से मद्रसों को लेकर चिंताएं जारी हैं। घोष ने आश्वासन दिया कि सरकार इस मुद्दे का समाधान ढूंढ लेगी। संवाददाताओं से बात करते हुए घोष ने कहा कि कुछ भी अवैध बदरिशत नहीं किया जाएगा। जहां सरकारी अनुमति नहीं दी गई है वहां संचालन जारी नहीं रह सकता। मद्रसों को लेकर उन्होंने कहा कि अगर वे काम करना चाहते हैं।

राजस्थान निकाय चुनाव में भाजपा 3624 वार्ड जीतकर आगे

जयपुर। राजस्थान के 309 नगरीय निकायों के चुनाव के अब तक घोषित नतीजों में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सबसे आगे है, जबकि कांग्रेस भी उसे कड़ी टक्कर दे रही है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अपराह्न दो बजे तक घोषित परिणामों के अनुसार, भाजपा ने 3,624, कांग्रेस ने 3,093 और निर्दलीय उम्मीदवारों ने 2,034 वार्ड में जीत दर्ज की है। इसके अलावा राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने 56, भारत आदिवासी पार्टी ने आठ, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने 16, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने 37 और आम आदमी पार्टी (आप) ने 10 वार्ड में जीत हासिल की है। इन आंकड़ों में निर्विरोध चुने गए 77 उम्मीदवार भी शामिल हैं। राज्य निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने बताया कि मतगणना सुबह आठ बजे शुरू हुई और इसके लिए व्यापक सुरक्षा इंतजामों के साथ अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी की गई हैं। राज्य में जिन 309 नगरीय निकायों के चुनाव की घोषणा की गई है।

केरलम के पूर्व सीएम के खिलाफ कार्रवाई पर भड़के विधायक

तिरुवनंतपुरम। ईडी ने कथित सीएमआरएल रिश्त मामले में केरलम के मुख्यमंत्री पिनारayi विजयन, उनकी बेटी वीणा, दामाद पी. ए. मोहम्मद रियास और अन्य के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज करने के लिए राज्य के डीजीपी से अनुरोध किया है। इस पर यूडीएफ समर्थित निर्दलीय विधायक टी. के. गोविंदन ने ईडी की कार्रवाई को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताते हुए आरोप लगाया कि इसका उद्देश्य इंडिया गठबंधन में दरार पैदा करना है। पूर्व सीपीआई(एम) नेता गोविंदन ने दावा किया कि ईडी की यह कार्रवाई भाजपा की दुर्भावनापूर्ण मंशा को दर्शाती है। गोविंदन ने यूडीएफ के कुछ नेताओं के रुख का स्पष्ट तौर पर जिक्र करते हुए कहा कि विजयन के खिलाफ ईडी की कार्रवाई का स्वागत करना, जबकि इसी एजेंसी द्वारा अन्य नेताओं के खिलाफ की गई कार्रवाई की आलोचना करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि ईडी की हालिया गतिविधियां पूरी तरह राजनीतिक रूप से प्रेरित हैं।

देवेंद्र फडणवीस ने की गणेशोत्सव में कम प्रदूषण रखने की अपील

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को लोगों से अपील की कि वे कम से कम प्रदूषण के साथ पारंपरिक तरीके से गणेशोत्सव मनाएं क्योंकि राज्य में 11 दिनों तक चलने वाला यह त्योहार ऐसे समय में शुरू हुआ है जब तेज आवाज वाले साउंड सिस्टम पर रोक लगाने की मांग की जा रही है। फडणवीस ने अपने आधिकारिक आवास ‘वर्षा’ में भगवान गणेश का स्वागत किया और राज्य के किसानों के लिए प्रार्थना की। उन्होंने लोगों से उसव के दौरान कम से कम प्रदूषण फैलाने की अपील भी की। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, “विघ्नहर्ता सभी के जीवन में खुशियां लाएं। हमारे देश, राज्य, लोगों और किसानों को शांति एवं समृद्धि मिले। मैं लोगों से प्रदूषण को न्यूनतम रखने और पारंपरिक तरीके से त्योहार मनाने की अपील करता हूं।” उनका यह बयान त्योहार के दौरान तेज आवाज वाले डीजे साउंड सिस्टम के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने की मांग के बीच आया है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने भी दावर स्थित अपने आवास ‘शिवतीर्थ’ में भगवान गणेश का स्वागत किया।

18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन, 2026 नई दिल्ली में आयोजित किया गया और इसका विस्तृत अंतिम दस्तावेज भारत की अलग-अलग राय वाले देशों के बीच तालमेल बिठाने की क्षमता का सबसे अच्छा उदाहरण है। पहले दिन जारी हुए नई दिल्ली ब्रिक्स घोषणापत्र की सबसे बड़ी बात यह है कि इसे सर्वसम्मति से जारी किया जा सका। यह भारत की उस काबिलियत का सबूत है, जिससे वह कट्टर दुश्मनों (ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब) को एक ही मेज पर लाकर बातचीत करवा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ खास और समय-सीमा वाले कदमों का सुझाव दिया। इससे पहले किसी

दस्तावेज में ऐसे ठोस विचार शामिल नहीं किए गए थे। इस दस्तावेज में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद और उसे बढ़ावा देने व उसका वित्तपोषण करने वालों की कड़ी आलोचना की गई है। साथ ही, आतंकवाद के मुख्य सरगना का नाम लिए बिना, अप्रैल 2025 में पहलगाम में 26 भारतीय पर्यटकों की उनके परिवारों के सामने धर्म के आधार पर की गई हत्या की निंदा की गई है। चीन, जिसने हमेशा आतंकवाद को संरक्षण देने वाले देश को बचाया है, ने इस घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किया। वह आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में अलग-थलग नहीं पड़ना चाहता था। चीन के राष्ट्रपति एक बड़े

प्रतिनिधिमंडल के साथ आए। उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक की। हालांकि उन्हें इस बात की चिंता थी कि भारत ताइवान को ऑब्जर्वर के तौर पर बुला सकता है। इस शिखर सम्मेलन में नरेंद्र मोदी के साथ रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी शामिल थे। उन्हें कई बार हाथ में हाथ डालकर चलते हुए देखा गया। भले ही ईरान को बहुत अहमियत दी गई और उसके राष्ट्रपति को हमारे राष्ट्रपति से मुलाकात का मौका मिला, लेकिन आतंकवाद, समुद्री यात्रियों पर हमलों और वैश्विक समुद्री व्यापार में दखलंदाजी का जिक्र असल में इस्त्राएल पर हमला करने के लिए



ईरान द्वारा अपने आतंकवादी प्रॉक्सी के इस्तेमाल की ओर साफ इशारा था। इसमें संयुक्त राष्ट्र के महासचिव को भी आमंत्रित किया गया था। भारत ने ग्लोबल गवर्नंस के ढांचे में सुधार की मांग की है, ताकि तेजी से अहम होते विकासशील देश केवल नियम मानने वाले न रहकर, नियम तय करने वाले बन सकें। सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों (चीन और रूस) ने भी इसके

सुधार के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराया।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ब्रिक्स को अमेरिका विरोधी मानते हैं। उन्होंने बार-बार चेतावनी दी है कि ब्रिक्स देशों की निश्चित रूप से कीमत चुकानी होगी, क्योंकि ब्रिक्स हमें नुकसान पहुंचाने और हमारे डॉलर की अहमियत कम करने के लिए बनाया गया था। डॉलर का मुद्दा पश्चिमी देशों के लिए सबसे बड़ी चिंता है, भले ही ब्रिक्स कल कोई नई ब्रिक्स मुद्रा न बनाए। असल में, ब्रिक्स देश डॉलर के निर्भरता कम करने, स्थानीय मुद्रा में व्यापार बढ़ाने और भुगतान के लिए वैकल्पिक इंफ्रास्ट्रक्चर अपनाने की दिशा में बढ़ रहे हैं। हालांकि वैश्विक वित्तीय

प्रवाह में अब भी डॉलर की हिस्सेदारी 85 फीसदी है।अमेरिका को इस बात की खास चिंता है कि चीन और रूस ब्रिक्स का इस्तेमाल करके एक ऐसी विश्व व्यवस्था बना रहे हैं, जो पश्चिम पर कम निर्भर हो, और वे अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम कर रहे हैं।ब्रिक्स, भारत, ब्राजील, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के चीन या रूस के गठबंधन में शामिल हुए बिना अमेरिकी दबाव का विरोध करने की आजादी देता है। हालांकि वाशिंगटन सार्वजनिक रूप से यह कहता है कि संप्रभु देश अपनी पसंद के किसी भी समूह में शामिल होने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन निजी तौर पर उसे इस बात की चिंता सता रही है कि ब्रिक्स धीरे-धीरे

अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को आकार देने की अमेरिका की क्षमता को कम कर सकता है।ब्रिक्स के सदस्यों के बीच बहुत ज्यादा मतभेद हैं: एक तरफ सऊदी अरब और ईरान को मतभेद हैं, तो दूसरी तरफ व्यापार और सुरक्षा के मुद्दों पर चीन और भारत में। ब्राजील के हित रूस से अलग हैं, तो खाड़ी देशों के अमेरिका के साथ बहुत करीबी संबंध हैं। इसके अलावा, कई सदस्य अब भी डॉलर और पश्चिमी वित्तीय बाजारों पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं। लेकिन पश्चिम अब ब्रिक्स को नजरअंदाज नहीं कर सकता, क्योंकि विस्तृत ब्रिक्स दुनिया की आबादी, संसाधनों और आर्थिक उत्पादन के एक बहुत बड़े हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है।

स्वस्थ नागरिक, समृद्ध छत्तीसगढ़

हर्बल और आयुर्वेदिक उत्पादों का प्रमुख केंद्र बनेगा छत्तीसगढ़

राज्य सरकार की दूरदृष्टि, अपार वन संपदा और आयुर्वेदिक पारंपरिक ज्ञान के बल पर छत्तीसगढ़ हर्बल प्रसंस्करण इकाइयों का नया हब बन रहा है। 27.87 एकड़ में अत्याधुनिक हर्बल सेंटर, रोजगार सृजन और किसानों की आय वृद्धि के साथ राज्य को नई आर्थिक पहचान मिल रही है।

श्री नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़, भारत में हर्बल और आयुर्वेदिक उत्पादों के प्रमुख केंद्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। राज्य सरकार आयुर्वेद, हर्बल और वेलनेस सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए ठोस नीतियों, अत्याधुनिक अवसंरचना और निरंतर निवेश के माध्यम से एक सतत पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर रही है। राज्य की अपार वन संपदा, पारंपरिक ज्ञान और किसानों की सक्रिय भागीदारी से यह क्षेत्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर लेकर आया है।



प्रसंस्करण इकाइयों की प्रभावी विशेषताएं

- 27.87 एकड़ क्षेत्र में अत्याधुनिक हर्बल प्रसंस्करण इकाई।
- 36.47 एकोड़ रुपये की लागत से निर्माण।
- यूएसएफडीए (USFDA) मानक तकनीक से युक्त।
- रोजाना 400 से अधिक प्रकार की जड़ी-बूटियों की प्रोसेसिंग क्षमता।
- हर्बल चाय, कैप्सूल, पाउडर, एक्सट्रेक्ट, तेल और अन्य मूल्य वर्धित उत्पादों का निर्माण।

जड़ी-बूटियों की अपार वन संपदा

छत्तीसगढ़ की विविध जलवायु, समृद्ध वन क्षेत्र और अनुकूल भौगोलिक परिस्थितियाँ इसे औषधीय पौधों की दृष्टि से देश के अग्रणी राज्यों में स्थान दिलाती हैं। राज्य के जंगलों और ग्रामीण क्षेत्रों में अशोक, शतावरी, कालमेघ, गिलोय, सफेद मुसली, हरी, बहेड़ा, आंवला तथा अन्य अनेक महत्वपूर्ण जड़ी-बूटियाँ प्राकृतिक रूप से पाई जाती हैं।

- ये जड़ी-बूटियाँ केवल आयुर्वेद और पारंपरिक उपचार पद्धतियों में ही उपयोगी नहीं हैं, बल्कि हर्बल उद्योग, औषधि निर्माण और स्वास्थ्य उत्पादों के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण संसाधन हैं।
- राज्य सरकार जड़ी-बूटियों की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ वनवासियों समुदायों को आय के नए अवसर उपलब्ध करा रही है।

सरकार की नीतियों और समर्थन

- हर्बल उत्पादन और प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए विशेष नीति और वित्तीय प्रोत्साहन।
- किसानों को जड़ी-बूटी की खेती के लिए प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता और बीज उपलब्धता।
- किसान उत्पादक संगठनों (FPOS) और स्व सहायता समूहों को हर्बल वैल्यू चेन से जोड़ना।
- अनुसंधान एवं विकास के लिए संस्थानों और विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग।
- जड़ी-बूटियों के संरक्षण और संवर्धन के लिए विशेष अभियान।

रोजगार और आर्थिक विकास को नई गति



यह इकाई सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से 2,000 से अधिक लोगों को रोजगार देगी।



स्थानीय किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलेगा और उनकी आय में वृद्धि होगी।



हर्बल उद्योगों से जुड़े स्टार्टअप और छोटे उद्यमों को बढ़ावा मिलेगा।



युवाओं के लिए कौशल विकास और उद्योग आधारित प्रशिक्षण के नए अवसर उपलब्ध होंगे।



आयुर्वेद और वेलनेस टूरिज्म को बढ़ावा

- छत्तीसगढ़ में आयुर्वेद और वेलनेस टूरिज्म की अपार संभावनाएं हैं।
- योग, पंचकर्म, आयुर्वेदिक चिकित्सा और हर्बल थेरेपी के क्षेत्र में राज्य को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाना।
- स्थानीय हर्बल उत्पादों को वेलनेस रिसॉर्ट्स, आयुर्वेदिक केंद्रों और पर्यटन स्थलों से जोड़ना।
- आयुर्वेदिक शिक्षा, शोध और इनोवेशन के माध्यम से वैश्विक बाजार में पहचान बनाना।

लोक विकास से लोक वैज्ञानिक क्रांति तक

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ लोक विकास की दिशा में अग्रसर है। हर्बल और आयुर्वेदिक क्षेत्र में यह पहल राज्य को आत्मनिर्भर, स्वस्थ और समृद्ध बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।



गुणवत्ता और नवाचार पर विशेष ध्यान

छत्तीसगढ़ में हर्बल एवं आयुर्वेदिक क्षेत्र को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित करने के लिए आधुनिक तकनीक से सुसज्जित प्रयोगशालाओं और अनुसंधान केंद्रों की स्थापना की गई है। इन केंद्रों में जड़ी-बूटियों की गुणवत्ता, शुद्धता, औषधीय गुणों तथा उत्पादों की प्रभावशीलता की वैज्ञानिक जांच की जाती है, जिससे उपभोक्ताओं को विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध हो सकें।



छत्तीसगढ़ की समृद्ध वन संपदा और पारंपरिक ज्ञान आज जड़ी-बूटियों के माध्यम से नई पहचान प्राप्त कर रहा है। राज्य के वन क्षेत्रों में उपलब्ध औषधीय पौधे न केवल स्वास्थ्य संवर्धन का आधार बन रहे हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई दिशा दे रहे हैं। जड़ी-बूटियों के संरक्षण, वैज्ञानिक उपयोग और प्रसंस्करण के माध्यम से स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर लगातार बढ़ रहे हैं। हर्बल और आयुर्वेदिक उत्पादों की बढ़ती मांग के बीच छत्तीसगढ़ अपनी प्राकृतिक संपदा को आर्थिक शक्ति में बदलने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इससे किसानों, वनवासियों और महिला स्व-सहायता समूहों को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है।



अशोक

महिलाओं के स्वास्थ्य और हार्मोन संतुलन में सहायक।



शतावरी

शक्ति व स्टेमिना बढ़ाने, हार्मोनल बैलेंस के लिए लाभकारी।



कालमेघ

लिवर की सेहत, प्रतिरक्षा बढ़ाने और बुखार में उपयोगी।



गिलोय

इम्युनिटी बढ़ाने, डायबिटीज और बुखार में लाभकारी।



जंगली हल्दी

त्वचा की देखभाल, सौंदर्य प्रसाधन और आयुर्वेदिक उपचारों के लिए गुणकारी।



बहेड़ा

गले के रोग, खाँसी और पाचन विकारों में लाभकारी।



आंवला

विटामिन सी से भरपूर, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला।



सफेद मुसली

ऊर्जा, शक्ति और शारीरिक कमजोरी दूर करने में सहायक।

छत्तीसगढ़ की ये जड़ी-बूटियाँ स्वास्थ्य के साथ-साथ आर्थिक समृद्धि का भी आधार बनेंगी।

पर्यावरण संरक्षण को बल



जड़ी-बूटियों की खेती और संरक्षण से वनों का संरक्षण होगा और पारिस्थितिकी तंत्र संतुलित रहेगा।

वैश्विक बाजार में पहचान



हर्बल उत्पादों की बढ़ती मांग से छत्तीसगढ़ के उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी पहचान बनाएंगे।

स्वस्थ समाज, समृद्ध राज्य



आयुर्वेद और हर्बल उत्पादों के प्रचार-प्रसार से समाज स्वस्थ होगा और राज्य की आर्थिक प्रगति सुनिश्चित होगी।

किसानों की समृद्धि



जड़ी-बूटी की खेती से किसानों की आय में वृद्धि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

भविष्य की दिशा



छत्तीसगढ़ को हर्बल और आयुर्वेदिक उत्पादों का वैश्विक हब बनाना हमारा संकल्प है।

संवाद-48873/1

छत्तीसगढ़ - हर्बल हब, आयुर्वेद की नई पहचान

संक्षिप्त समाचार

महिला टी-20 एशिया कप जीतने पर टीम को वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने दी बधाई

रायपुर। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को महिला टी–20 एशिया कप 2026 का खिताब जीतने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। श्री चौधरी ने भारतीय टीम की इस शानदार उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि टीम की प्रतिभा, मेहनत, आत्मविश्वास और शानदार प्रदर्शन ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय महिला खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल भावना और दृढ़ संकल्प के साथ एशिया कप की ट्रॉफी अपने नाम कर देशवासियों को गौरव का अवसर दिया है। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने पूरी टीम, कोचिंग स्टाफ और सहयोगी सदस्यों को इस ऐतिहासिक सफलता के लिए बधाई देते हुए भारतीय महिला क्रिकेट के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

5 दिन मांस-मटन की बिक्री पर प्रतिबंध

उछंघन पर होगी बड़ी कार्रवाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आगामी धार्मिक पर्वों को देखते हुए नगर पालिक निगम ने बड़ा फैसला लिया है। निगम के सम्पूर्ण क्षेत्र में निर्धारित पांच दिनों तक पशुवध गृह और सभी मांस-मटन विक्रय की दुकानों को बंद रखने का आदेश जारी किया गया है। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। रायपुर नगर पालिक निगम स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, श्री गणेश चतुर्थी 14 सितंबर, पर्युषण पर्व का अंतिम दिवस 15 सितंबर, डोल ग्यारस 22 सितंबर, अनंत चतुर्थी 25 सितंबर और पर्युषण पर्व में संवत्सरी एवं उत्तम क्षमा 26 सितंबर 2026 को नगर निगम क्षेत्र में पशुवध गृह एवं सभी मांस-मटन विक्रय की दुकानें बंद रहेंगी। निगम ने आदेश के पालन की जिम्मेदारी जोन स्वास्थ्य अधिकारियों और जोन स्वच्छता निरीक्षकों को दी है। संबंधित अधिकारी अपने-अपने जोन क्षेत्रों में मांस-मटन दुकानों का सतत पर्यवेक्षण करेंगे और प्रतिबंध का व्यवहारिक रूप से पालन सुनिश्चित कराएंगे। महापौर मीनल चौबे के निर्देश पर निगम की टीम होटल और अन्य प्रतिष्ठानों पर भी निगरानी रखेगी। इन पावन पर्वों के निर्धारित दिनों में यदि किसी होटल या अन्य स्थान पर मांस-मटन का क्रय करने पाया गया, तो मौके पर ही सामग्री को जसी की जाएगी। इसके साथ ही संबंधित व्यक्ति या संस्था के खिलाफ यथोचित कार्रवाई भी की जाएगी।

प्रतिबंध के बावजूद गेलेक्सी फूड सेंटर में

बिक रहा था चिकन, निगम ने ठोका जुर्माना

रायपुर। गणेश चतुर्थी पर मांस-मटन की बिक्री पर नगर निगम ने प्रतिबंध लगाया हुआ लेकिन इसके बावजूद जोन क्रमांक 9 के कुशाभा ठाकरे वार्ड के गेलेक्सी फूड सेंटर में सोमवार को चिकन की बिक्री होते मिली। निगम की स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर दुकान संचालक पर 2 हजार रुपए का ई-जुर्माना लगाया और दुकान को तत्काल बंद करवाया। जौन-9 क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान नगर निगम की टीम को गेलेक्सी फूड सेंटर में चिकन की बिक्री की जानकारी सामने आई। जोन कमिश्नर राकेश शर्मा के निर्देश पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी अमित बेहरा और स्वच्छता निरीक्षक भोला तिवारी की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। दुकान में चिकन की बिक्री होते मिलने पर संचालक के खिलाफ 2 हजार रुपए का जुर्माना लगाया। साथ ही भविष्य में प्रतिबंधित दिनों में मांस-मटन की बिक्री करते पाए जाने पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई। इसके बाद दुकान को प्रतिबंध के आदेश का पालन कराते हुए तत्काल बंद करा दिया गया।

शराब प्रेमियों को झटका! सरकार ने बदल दिया नियम, 1 अक्टूबर से होगा लागू



झटका लगा है। राज्य सरकार ने शराब बेचने के लिए नई व्यवस्था लागू कर दी है। इसका सीधा प्रभाव ग्राहकों पर पड़ना वाला है। आबकारी विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। यह नया नियम 1 अक्टूबर से लागू होगा। दरअसल, प्रदेश के प्रीमियम दुकानों में विभाग को लगातार ओवररेटिंग की शिकायतें मिल रह हैं थीं। इसे रोकने के लिए विभाग नई व्यवस्था लागू करने जा रही है। सभी 49 प्रीमियम दुकानों में 1 अक्टूबर से कैशलेस बिक्री ही की जा सकेगी। यानी अब नगद नहीं बल्कि क्यूआर के जरिए शराब बिक्री होगी। इससे बिक्री और भुगतान प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी। साथ ही तय कीमत से अधिक राशि वसूलने की शिकायतों पर भी अंकुश लगने में मदद मिलेगी। आबकारी विभाग ने शराब दुकानों में होने वाले लेनदेन को डिजिटल बनाना एक महत्वपूर्ण कदम है। कैशलेस व्यवस्था से बिक्री और भुगतान के बीच बेहतर निगरानी संभव होगी। साथ ही ओवररेट जैसी शिकायतों की जांच के लिए डिजिटल ट्रैजिनेशन भी एक रिकॉर्ड के रूप में उपलब्ध रहेगा। बताया जा रहा है कि प्रीमियम शराब दुकानों पर निर्धारित दर से अधिक कीमत को लगातार शिकायतें सामने आ रही थीं। ऐसे में विभाग ने ओवररेट की समस्या पर नियंत्रण के लिए भुगतान व्यवस्था में बदलाव किया। अगर अब कोई प्रीमियम शॉप में शराब बोलेल के ज्यादा पैसे लेगा तो वह सीधे डिजिटल रिकॉर्ड में दर्ज हो जाएगा। इससे निर्धारित कीमत और वास्तविक भुगतान के बीच अंतर की शिकायतों की जांच की संभव हो पाएगा।

पीएम नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर भाजपा करेगी खारून नदी में महाआरती : लक्ष्मी

■ शिल्पकार के रूप में मनेगा

जन्मदिन, एक महीने तक चलेगा सेवा पखवाड़ा

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 17 सितंबर को आने वाले जन्मदिन को लेकर पूरे देश सहित छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में रेलवे स्टेशन स्थित श्री सर्व धर्म संकट मोचन हनुमान मंदिर सेवा समिति परिसर में एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा शामिल हुईं, बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर को विश्वकर्मा पूजा का पावन पर्व भी है, इसलिए देश के निर्माण में तत्पर प्रधानमंत्री का जन्मदिन देश के शिल्पकार



के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि छत्तीसगढ़ में 17 सितंबर से लेकर 17 अक्टूबर तक पूरे एक महीने सेवा पखवाड़ा के रूप में विभिन्न जन-कल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

सांसद लक्ष्मी वर्मा ने बताया कि 17 सितंबर की शाम महादेव घाट स्थित खारून नदी में एक भव्य महाआरती का आयोजन किया जा रहा है। सभी नागरिक एक दीपक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से जलाकर खारून नदी में अवश्य प्रवाहित करें। इसके साथ ही, महादेव घाट पर आयोजित होने वाली खारून गंगा आरती में सभी धर्मों और समाजों की महिलाएं एक साथ शामिल होकर भव्य आरती

संपन्न करेंगी। कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजकुमार राठी ने प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल और उनके जन्मदिवस के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल का यह

25वां जन्मदिन है, जिसे राजधानी रायपुर में सेवा पखवाड़ा के रूप में अत्यंत उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में खारून नदी को मां गंगा का ही पवित्र रूप माना जाता है। इसी आस्था के तहत 17 सितंबर की शाम ठीक 6:00 बजे महादेव घाट पर खारून गंगा आरती का महाआयोजन होगा।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राजीव अवस्थी, डॉ.सुजीत परिहार, गोविंद शर्मा, सुब्रत घोष, संतोष श्रीवास्तव, रोशनी मिश्रा, योगेश चांदण, शहनाज अली, ज्योति यादव ,कल्याणी बघेल, पूर्व पार्षद लेखराम सह, अंकित राठी, महेंद्र सिंघानिया, मनीष गुप्ता सहित अन्य गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

केवल झूठ और भ्रम फैलाती है कांग्रेस : डिप्टी सीएम साव

■ तारा कोल ब्लॉक नीलामी मामले में कांग्रेस करेगी प्रदर्शन

रायपुर। तारा कोल ब्लॉक की नीलामी को लेकर कांग्रेस के प्रदर्शन के ऐलान पर डिप्टी सीएम अरुण साव ने निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस मामले में छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (सीजीएमडीसी) की ओर से पूरी जानकारी दी जा चुकी है। सीजीएमडीसी ने स्पष्ट कर दिया है कि किसकी क्या भूमिका रही है। साव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस केवल झूठ और भ्रम फैलाने का काम करती है। उन्होंने कहा कि कोई भी सच्चाई कांग्रेस के गले नहीं उतरती।

सेवा संकल्प अभियान के शासकीयकरण के कांग्रेस के आरोपों पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने पलटवार किया है। उन्होंने कांग्रेस पर परिवारवाद और तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपलब्धियों और आम लोगों को अभियान से जोड़ने का कार्यक्रम पसंद नहीं आ रहा है। अरुण साव ने कहा कि कांग्रेस एक परिवार की चाकरी करने वाली पार्टी है। उन्हें गांधी-नेहरू परिवार की चाकरी पसंद आती है। सेवा संकल्प अभियान के जरिए आम लोगों



को जोड़ने का काम किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपलब्धियों को लेकर होने वाला कार्यक्रम कांग्रेस को कैसे पसंद आएगा।

गणेश उत्सव के दौरान गणेश पंडालों की व्यवस्था को लेकर अरुण साव ने कहा कि अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए प्रशासन को व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने कहा गया है। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर सनातन धर्म को लेकर भी हमला बोला। साव ने कहा कि कांग्रेसी हमें सनातन के बारे में न सिखाएं। राम को काल्पनिक बताने वाले लोग सनातन की शिक्षा न दें। अरुण साव ने कहा कि कांग्रेस का उन पार्टियों के साथ गठबंधन है, जो सनातन का विरोध करती है। कांग्रेस ने हमेशा तुष्टिकरण की राजनीति की है।

अंबिकापुर के सड़क की वायरल वीडियो का मुख्यमंत्री ने लिया संज्ञान

■ कलेक्टर अजीत वसंत से

दूरभाष पर की चर्चा, सड़क को तत्काल सुधारने के दिए निर्देश

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेश में बारिश के दौरान निर्माणधीन सड़कों के कारण नागरिकों को आवागमन में हो रही परेशानियों को गंभीरता से लिया है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अंबिकापुर शहर के खरसिया चौक में सड़क की खराब स्थिति के कारण नागरिकों को हो रही परेशानी की वार्डरल वीडियो का संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने सरगुजा कलेक्टर श्री अजीत वसंत से दूरभाष पर चर्चा कर वस्तुस्थिति की जानकारी ली। उन्होंने तत्काल सड़क का निरीक्षण कर आवश्यक सुधार कार्य सुनिश्चित कराने के निर्देश कलेक्टर को दिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने खरसिया चौक की सड़क में बड़े गड्ढों को भरने, आवश्यक समतलीकरण तथा जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त करने को कहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि जहां यातायात का दबाव अधिक है, वहां पुलिस एवं यातायात विभाग के साथ समन्वय कर



सुरक्षित और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने जिलों में निर्माणधीन सड़कों की स्थिति की नियमित निगरानी करें, आवश्यकता के अनुसार स्वयं मौके पर जाकर निरीक्षण करें और संबंधित विभागों एवं निर्माण एजेंसियों से समन्वय कर सड़कों को आवागमन योग्य बनाए रखना सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी जिला कलेक्टरों से कहा है कि बारिश के दौरान सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरती जाए। जहां सड़क क्षतिग्रस्त होने, निर्माण कार्य, पुल-पुलिया के आसपास कटाव, जलभराव अथवा अन्य किसी कारण से आवागमन प्रभावित होने या दुर्घटना की आशंका हो, वहां तत्काल सुरक्षात्मक उपाय किए जाएं। आवश्यकता के अनुसार चेतावनी संकेतक, बैरिकेडिंग

और सुरक्षित वैकल्पिक यातायात व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि मानसून के दौरान किसी भी क्षेत्र में सड़क की खराब स्थिति के कारण नागरिकों को आवागमन में अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए। जहां निर्माण कार्य प्रगति पर हैं अथवा बारिश के कारण सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं, वहां गड्ढों को भरने, समतलीकरण, जल निकासी सहित सभी आवश्यक अंतरिम सुधार कार्य प्राथमिकता से किए जाएं। स्थायी निर्माण में मौसम संबंधी व्यावहारिक कठिनाइयां होने पर भी सड़क को चलने योग्य बनाए रखने के लिए हर आवश्यक उपाय सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग, लोक निर्माण विभाग, नगरीय निकाय अथवा अन्य किसी एजेंसी से संबंधित सड़क हो, जिला प्रशासन संबंधित विभाग के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित कर समस्या का त्वरित समाधान सुनिश्चित करे। कलेक्टर अपने जिले में अधिक यातायात दबाव वाली प्रमुख सड़कों और निर्माणधीन मार्गों को चिह्नंकित कर उनकी स्थिति की नियमित समीक्षा करें।

तारा कोल ब्लॉक नीलामी पर दीपक बैज का हमला

■ बोले- जल, जंगल और जमीन को बेचने का काम कर रही सरकार

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेट्री (पीसीसी) के अध्यक्ष दीपक बैज ने पीएससी परीक्षा में गड़बड़ी और तारा कोल ब्लॉक की नीलामी को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। प्रेसवार्ता में बैज ने आरोप लगाया कि सरकार एक ओर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है तो दूसरी ओर प्रदेश के जल, जंगल और जमीन को अपने चहेते उद्योगपतियों को बेचने का काम कर रही है।

दीपक बैज ने कहा कि 2023 विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने पीएससी परीक्षा को यूपीएससी की तर्ज पर पारदर्शी तरीके से कराने का वादा किया था। इसके बावजूद पीएससी परीक्षा में बड़ी गड़बड़ियां सामने आई हैं। उन्होंने कहा, 265 पदों के लिए परीक्षा आयोजित की गई थी और मुख्य परीक्षा में पदों के तीन गुना अभ्यर्थियों को शामिल किया जाना था,

लेकिन इंटरव्यू के लिए केवल 608 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। बैज के मुताबिक, अभ्यर्थियों का कहना है कि न्यूनतम निर्धारित अंक के आधार पर अन्य अभ्यर्थियों को भी इंटरव्यू का मौका मिलना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया।

उन्होंने 2024 की मुख्य परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं की जांच पर भी सवाल उठाए। बैज ने दावा किया कि दो अभ्यर्थियों की उत्तर पुस्तिकाएं सामने आई हैं, जिनमें दोनों के उत्तर समान हैं, लेकिन एक अभर्थी को शून्य अंक दिए गए, जबकि दूसरे को अंक प्रदान किए गए। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि दोनों के उत्तर सही और समान हैं तो दोनों अभ्यर्थियों को समान अंक क्यों नहीं मिले? पीसीसी चीफ दीपक बैज ने तारा कोल ब्लॉक की नीलामी को लेकर भी भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार प्रदेश के जल, जंगल और जमीन को बेचने का काम कर रही है। बैज ने आरोप लगाया कि तारा कोल ब्लॉक को अपने चहेते उद्योगपतियों



को फायदा पहुंचाने के लिए नीलामी की प्रक्रिया में शामिल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में लेमरू क्षेत्र को वन्यजीवों के संरक्षण की दृष्टि से आरक्षित किया गया था। तारा सहित 9 कोल ब्लॉक को नीलामी से अलग रखने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखा गया था। हसदेव अरण्य में खनन को लेकर सुप्रिम कोर्ट में हलफनामा भी दाखिल किया गया था, जिसके बाद कोयला मंत्रालय ने 40 कोल ब्लॉक को नीलामी से अलग रखा था।

दीपक बैज ने कहा कि 11 दिसंबर 2025 को भाजपा सरकार ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर कहा था कि लेमरू क्षेत्र

सेवा और समर्पण के 25 वर्षों की प्रेरक यात्रा को जन-जन तक पहुंचाएगा ‘सेवा संकल्प अभियान’

रायपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा और समर्पण के 25 वर्ष रू सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत



वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने वचुअल माध्यम से बैठक में सहभागिता की। बैठक में मंत्री श्री दयालदास बघेल, मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, अभियान के संयोजक, सह-संयोजक एवं सदस्यों के साथ ‘सेवा की कहानी’ और ‘सेवा मेरा योगदान’ थीम को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 25 वर्षों के सेवा, सुशासन और जनकल्याण की यात्रा देशवासियों के लिए प्रेरणादायी है। इस यात्रा के दौरान जनसेवा के माध्यम से समाज में आए सकारात्मक बदलावों और सेवा कार्यों की

कहानियों को जन-जन तक पहुंचाना अभियान का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि ‘सेवा की कहानी’ के माध्यम से सेवा और जनकल्याण से जुड़े प्रेरक अनुभवों को सामने लाया जाएगा,

वहीं ‘सेवा मेरा योगदान’ के माध्यम से नागरिकों को सेवा कार्यों में अपनी सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया जाएगा। सेवा और समर्पण की भावना को जनभागीदारी का स्वरूप देते हुए विकसित भारत-2047 के संकल्प को मजबूत करना अभियान की प्रमुख भावना है।

बैठक में दोनों थीम के अंतर्गत आयोजित किए जाने वाले आगामी कार्यक्रमों, उनकी रूपरेखा, जनभागीदारी और प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही अभियान को व्यापक एवं प्रभावी स्वरूप देने के लिए सभी स्तरों पर समन्वय के साथ कार्य करने पर जोर दिया गया।

पीएम मोदी के जन्मदिन कार्यक्रम के सरकारीकरण के आरोप पर मंत्री नेताम का पलटवार

कहा - कांग्रेस का काम सिर्फ राग अलापना

रायपुर। कांग्रेस ने भाजपा पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन कार्यक्रम को सरकारीकरण करने का आरोप लगाया है। इस पर कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का काम ही कुछ न कुछ राग अलापना है। कांग्रेस को प्रधानमंत्री पद की गरिमा समझनी चाहिए।

नेताम ने कहा कि नरेंद्र मोदी विशेष पद पर बैठकर पिछले 25 वर्षों से देश और प्रदेश की सेवा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर भाजपा देशभर में सेवा संकल्प अभियान चला रही है और आम लोगों तक पहुंच रही है। इस अभियान में सभी का सहयोग लिया जा रहा है और आमजन को भी इससे जोड़ा जा रहा है।

15 सितंबर से अंबिकापुर में होने वाले कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर को लेकर भी मंत्री



रामविचार नेताम ने निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम करती रहती है, लेकिन वह किस बात का प्रशिक्षण करती है, यह लगातार सामने आता रहता है। नेताम ने कांग्रेस में गुटबाजी का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी के भीतर जुतमपैजार की स्थिति है। देश और प्रदेश की जनता ने कांग्रेस को नीचे धकेल दिया है और इससे उबरना कांग्रेस के लिए बेहद मुश्किल है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ऐसे अभियानों

के जरिए अपने जनाधार को बचाने की कोशिश कर रही है, लेकिन इसमें वह सफल नहीं होगी।

कांग्रेस के नए प्रदेश प्रभारी के आगामी छत्तीसगढ़ दौरे को लेकर भी रामविचार नेताम ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में इससे पहले भी कई सुरमावीर आते रहे हैं, उनका क्या हुआ, यह सभी ने देखा है। कांग्रेस में किसी के आने से कुछ नहीं होने वाला है। भाजपा द्वारा कांग्रेस और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर निशाना साधते हुए जारी किए गए रैप वीडियो को लेकर भी मंत्री रामविचार नेताम ने कांग्रेस पर हमला बोला।

उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल ने जनता से जो वादे किए थे, उन्हें पूरा नहीं किया गया। पिछली सरकार की योजनाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गईं। भाजपा इसी को जनता के सामने रखने का काम कर रही है।

राजनीतिक कुंठा ढंकने बच्चों के कंधे का इस्तेमाल करती रही है कांग्रेस : भाजपा

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के बयान पर कड़ा पलटवार करते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. विजयशंकर मिश्रा ने इसे कांग्रेस की ओछी और दोहरी मानसिकता करार दिया है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में राष्ट्र और समाज सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा संकल्प अभियान के तहत बच्चों के बौद्धिक, नैतिक और वैचारिक विकास से जुड़े रचनात्मक कार्यक्रमों पर कांग्रेस का पेट दर्द होना उसके मानसिक दिवालियापन को दर्शाता है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. मिश्रा ने कहा कि बच्चों के भविष्य और शिक्षा पर घड़ियाली आँसू बहाने वाले बैज शायद अपना अतीत बहुत जल्दी भूल गए हैं। जून 2024

में ग्रीष्मकालीन अवकाश की स म य - सी म । बढ़वाने के नाम पर खुद बैज मासूम स्कूली बच्चों को लेकर भीषण गर्मी और तपती धूप में

सड़कों पर आंदोलन का तमाशा कर रहे थे। नौनिहालों का राजनीतिक स्वार्थ और ढाल के रूप में इस्तेमाल करना हमेशा से कांग्रेस का सबसे शर्मनाक चरित्र रहा है, और आज वही बैज नैतिकता के नाम पर जान बाँट रहे हैं। डॉ. मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में भी स्कूलों में छात्र-छात्राओं के बौद्धिक, सांस्कृतिक और वैचारिक विकास के लिए ऐसे रचनात्मक कार्यक्रम होते थे— तब क्या वह राजनीति थी? आज जब बच्चों को सेवा भाव, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण के मूल्यों से परिचित कराया जा



जुड़े।

डॉ. मिश्रा ने स्पष्ट किया कि विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार बच्चों के समग्र विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी तरह संकल्पित है। स्कूलों में शिक्षण कार्य के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास की गतिविधियां विद्यार्थियों के भविष्य को गढ़ने के लिए आवश्यक हैं। कांग्रेस अपनी राजनीतिक जमीन पूरी तरह खो चुकी है, इसलिए वह हर सकारात्मक पहल पर झुट और भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही है।

दिल्ली में शक्ति संतुलन का नया त्याकरण लिखा गया

राजकिशोर

तीन दिन में 15 द्विपक्षीय बैठकें और इनके अलावा गलियारों में हुई वे मुलाकातें, जो कार्यक्रम सूची में दर्ज नहीं होतीं। ब्रिक्स के इस 18वें शिखर सम्मेलन का असली हासिल घोषणापत्र के पैराग्राफ नहीं, भारत मंडपम की वह मेज और उसके आसपास के वे गलियारे हैं, जहां आपस में टकराती धाराएं एक ही छत के नीचे आईं। मेजबान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति की परीक्षा मंच पर कम और सीने हाशिये पर ज्यादा हुई। शक्ति का संतुलन अब केवल बारूद की गुंज और धन की धमक से तय नहीं हो रहा। वे देश भी एक-दूसरे के सामने बैठ सकते हैं, जो किसी दूसरे मोर्चे पर युद्ध की स्थिति में उलझे हैं। अठारहवें ब्रिक्स का सबसे बड़ा हासिल यही क्षमता है। घोषणापत्र के पैराग्राफ से ज्यादा महत्वपूर्ण वह राजनीतिक जगह है, जहां असहमित के बावजूद संवाद चलता रहा। यही वह नया व्याकरण है, जिसे पश्चिम का चश्मा अब तक पूरी तरह पढ़ नहीं पाया है। पहली पंक्ति शनिवार को लिखी गई। पश्चिम एशिया में युद्ध के बीच ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और संयुक्त अरब अमीरात के शीर्ष नेतृत्व की मुलाकात हुई। यह तब हुआ, जब घोषणापत्र में ईरान से जुड़ी भाषा पर तेहरान और अबूधाबी के मतभेद खुलकर मेज पर आ चुके थे। संदेश साफ था। मतभेद दर्ज हुआ, लेकिन रिश्ता टूटा नहीं। दूसरी पंक्ति शी जिनपिंग के भाषण में है और वह पहली नजर में जितनी आक्रामक दिखती है, उससे अधिक व्यापक है। ‘ताकत ही अधिकार है’ वाला तर्क अब नहीं चलता। यह सिर्फ वॉशिंगटन पर हमला नहीं है। यह स्वीकारोक्ति भी है कि जिस व्यवस्था को बीजिंग चुनौती देता रहा, उसका एकतरफा मॉडल अब चीन के लिए भी असुविधाजनक हो सकता है। तीसरी पंक्ति सबसे बारीक है। रविवार को प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि तकनीक और महत्वपूर्ण खनिजों का हथियारीकरण साझा प्राप्ति में बाधा बन सकता है। खनिज का सबसे बड़ा भंडार चीन के पास था। चेतावनी उसी हॉल में दी गई, जहां चीनी राष्ट्रपति मौजूद थे, और किसी ने मेज नहीं छोड़ी। चौथी पंक्ति घोषणापत्र में है। विश्व व्यापार संगठन के नियमों से असंगत एकतरफा शुल्क पर गंभीर चिंता दर्ज हुई, लेकिन किसी देश का नाम नहीं लिया गया। यह कमजोरी नहीं, चुनाव है। नाम लेते ही दस्तावेज खेमेबंदी का बयान बन जाता और मंच की उपयोगिता उसी दिन कमजोर पड़ जाती। सबसे अहम तथ्य समापन सत्र में आया। 2027 में ब्रिक्स की अध्यक्षता चीन के पास जाना है और उन्हें अगले शिखर सम्मेलन तक ब्रिक्स सुधार रोडमैप में बदलने का सुझाव दिया था। इसके तीन आधार रखे गए, प्रतिनिधित्व, प्रतिक्रियाशीलता और नियम निर्माण। सुरक्षा परिषद सुधार पर भारत की मांग थी कि पाठ आधारित वार्ता निश्चित समयसीमा और ठोस नतीजों से जुड़े। शी जिनपिंग ने ब्रिक्स एआई ओपन सोर्स कम्युनिटी का प्रस्ताव दिया है। नियम गढ़ने की दौड़ अब सिर्फ तकनीकी की नहीं, मानकों और शासन की भी है। तीसरी, महत्वपूर्ण खनिजों पर भारत की चेतावनी किसी ठोस तंत्र में बदलती है या भाषण भर रह जाती है। मोदी ने खुद कहा कि दुनिया अब विचार और वादे नहीं, ठोस नतीजे चाहती है। यह वाक्य अगले मेजबान के लिए चुनौती भी है और समीक्षा का पैमाना भी। ग्यारह सदस्यों के हित एक जैसे नहीं हैं। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद, पाकिस्तान और हिंद महासागर की प्रतिस्पर्धा जैसे सवाल हैं।

भारतीय दार्शनिक सम्रदाय

2-उपनिषदों का ब्रह्मवाद

गतांक से आगे...

उपनिषदों ने अनेक रूपों में, काव्यमयी और कलात्मक भाषा में इस तत्त्व का प्रतिपादन किया है कि यह सारा विश्व एक अलौकिक अत्यक्त शक्ति ब्रह्म की अभिव्यक्ति है।

दूसरे शब्दों में इस विश्व के परिवर्तनशील आकार, नाम और रूप को छोड़कर उसका यथार्थ तत्त्व ब्रह्म ही है, और वही ब्रह्म प्रत्येक मनुष्य की अन्तरात्मा के स्वरूप में है। मानव के उत्कर्ष की कल्पना यहां चरम सीमा तक पहुंच जाती है, क्योंकि मानव की आत्मा ही इस विश्व का सर्वोपरि यथार्थ तत्त्व है, उपनिषदों ने जिस सजीव भाषा में, जिस विश्वास की दृढ़ता के साथ और जिस रहस्य को साक्षात् करने वाली अनुभूति के साथ इस तत्त्व का प्रतिपादन किया है, वह एक साथ ही हृदय और मस्तिष्क दोनों को प्रभावित करती है।

जैसा कि ऊपर कहा गया उपनिषद् की भाषा और

भावना काव्यमय है। उनका उद्गम साक्षात् अन्तर्ज्ञान से हुआ प्रतीत होता है। पीछे यही सिद्धान्त दार्शनिक प्रक्रिया के रूप में भी प्रस्तुत किये गये, और उस दर्शन को %वेदान्त% कहा गया । वेदान्त शब्द उपनिषदों के लिए भी आता है, क्योंकि वे श्रुति रूप से माने जाने वाले वेद भाग के अन्त अर्थात् अन्तिम ग्रन्थ हैं और यों भी वैदिक ज्ञान का अन्तिम निष्कर्ष उपनिषदों का ब्रह्मवाद है, इस लिये भी उपनिषदों को वेद का अन्त अर्थात् वेदान्त कहा जाता है।

3-यज्ञ-प्रक्रिया के क्षेत्र में दर्शन शास्त्र का विकास- उपनिषदों के सिद्धान्तों को लेकर जिस प्रकार वेदान्त शास्त्र का जिसे उत्तरमीमांसा भी कहते हैं, प्रारम्भ हुआ है, उसी प्रकार ब्राह्मण ग्रन्थों के प्रतिपाद्य यज्ञ सम्बन्धी विषयों की और विशेषकर ब्राह्मण-ग्रन्थों के वाक्यों की सङ्कृति और समन्वय के लिए एक दार्शनिक सम्प्रदाय का जन्म हुआ, जिसको मीमांसा या पूर्वमीमांसा कहते हैं।



क्या अमेरिका, रूस और चीन के साथ मिलकर जी-3 बना सकता है?

कमलेश पांडे

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रणनीतिक स्वायत्तता वाली कूटनीति से जहां अमेरिका, चीन, रूस तीनों बड़े देश घबराए हुए हैं, वहीं फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और ब्राजील जैसे देश इसमें ही अपना कूटनीतिक भविष्य देख रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतियों का भी मानना है कि यदि भारत अपने मिशन में कामयाब हो जाता है तो इससे न केवल बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था को बल मिलेगा, बल्कि अमेरिका, रूस और चीन के हथियारों के सौदागरों के हाथ-पांव भी ठिठक जाएंगे।

चूँकि समसामयिक वैश्विक परिदृश्य में अरब-खाड़ी देशों में अमेरिका-यूरोप की इज्जत दांव पर पड़ी हुई है, क्योंकि रूस-चीन का शह ईरान को हासिल है। इससे पहले यूक्रेन में रूस-चीन-उत्तर कोरिया की सैन्य साख दांव पर पड़ी हुई है, क्योंकि अमेरिका-यूरोप मिलकर यूक्रेन को भड़काए हुए हैं। वैसे तो चीन को ताइवान में और भारत को पीओके में उलझाने की साजिश पश्चिमी-पूर्वी देशों के इशारे पर रचाई गई, लेकिन भारत और चीन के सूझबूझ वाले नेतृत्व ने समय रहते ही स्थिति को संभाल लिया। इससे हथियारों के वैश्विक सौदागरों और ड्रप्स सप्लायर्स का भारत-चीन से खफा होना स्वाभाविक है। इससे होने वाले घाटे की भरपाई के लिए ही तो अमेरिका ने दोनों देशों के खिलाफ टैरिफ युद्ध छेड़ दिया।

और जब इसमें भी अमेरिका विफल हो गया और मोदी डॉकिटन के चक्रव्यूह में हर ओर से घिरा महसूस करने लगा तब उसने ग्रुप-तीन (जी-3) का नया पैररा बदला। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, अमेरिका के व्हाइट हाउस के जी तीन प्लान पर रूस के फ्रेमलिन ने भी राजमंदी जताई है और बताया है कि पुतिन और जिनपिंग ने नवंबर में शेनजेन में होने वाले APEC सम्मेलन के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के साथ जी-3 बैठक करने पर चर्चा की है। अगर अमेरिका, रूस और चीन एक साथ बातचीत की मेज



पर बैठ जाते हैं और किसी सहमति तक पहुंचते हैं, तो ये दूसरे विश्व युद्ध के बाद बने उस ‘याट्टा सिस्टम’ का अंत होगा, जिसने यूएन सुरक्षा परिषद को बनाया था।

कहने का तात्पर्य यह कि अब अमेरिका, रूस और चीन परस्पर मिलकर दुनिया के अन्य मजबूत देशों भारत, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और ब्राजील आदि को अपने अंतर्राष्ट्रीय एजेंडे पर चलाएंगे और इनसे मुनाफा कमाएंगे। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्लोबल साउथ की जो वैश्विक चाल चली है, उसमें भारत विरोधी महारथियों का उलझना और छटपटाना तय है। वहीं, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और ब्राजील जैसे देशों को ये त्रिपक्षीय पहल नागवार गुजरी तो फिर दुनियावी कश्मकश और दिलचस्प हो जाएगी।

यू तो वर्तमान भू-राजनीतिक तनावों और कूटनीतिक विरोध के कारण अमेरिका, रूस और चीन का मिलकर जी-3 (जी-3) बनाना वर्तमान परिदृश्य में अत्यधिक असंभावित चिंतन है। लेकिन जब मुख्य घड़्यंत्रकारा राष्ट्र अमेरिका और उसके मनमौजी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ही रूस-चीन युगलबंदी के समक्ष घुटने टेकते हुए ऐसा आकर्षक प्रस्ताव दे रहे हैं तो रूस-चीन दोनों के लिए भी यह आकर्षक डील होगी। चूँकि अमेरिका ने ही भारत-रूस की दोस्ती के मुकाबले चीन की तरफ़ी में योगदान दिया है तो चीन के लिए भी तो यह और

ज्ञान/मीमांसा

ब्रिक्स में मोदी-जिनपिंग-पुतिन एक मंच पर

शेखर गुप्ता

टीवी चैनलों ने खूब शोर मचाया कि 2023 के जी20 के बाद दुनिया के नेताओं का सबसे महत्वपूर्ण सम्मेलन फिर से नई दिल्ली में हो रहा है। इस बार उनके जोश में भी एक अतिरिक्त तड़का रहा।

बढ़ा-चढ़ा कर बनाई गई तस्वीरें दिखीं, जिनमें चमकीले रंगों वाले बैकग्राउंड और युद्ध में बजते नगाड़ों के साथ नरेंद्र मोदी, शी जिनपिंग और व्लादीमिर पुतिन एक साथ नजर आए। संदेश तो लगभग साफ था कि यह त्रिमूर्ति ‘बुरे पश्चिम’ के खिलाफ हाथ में हाथ डाल चुकी है। या इसे सीधे डॉनल्ड ट्रंप को ‘हैसियत बताने’ के रूप में समझें। सभी सरकारें, खासकर ताकतवर नेताओं वाली, छवि बनाने के लिए ऐसे सम्मेलनों का इस्तेमाल करती हैं।

तीन ताकतवर नेता आपस में अधिक विरोधाभास साझा करते हैं, सामंजस्य नहीं। हर एक की दुनिया देखने की अलग नजर है, और प्रत्येक का विरोधी भी अलग है। एक (रूस) दूसरे का सहयोगी है — और किसी हद तक निर्भर भी है। दूसरा (भारत) तीसरे को अस्तित्वगत विरोधी मानता है। और तीसरा अन्य दोनों को इतना कमजोर देखता है कि वह खेल के नियम तय कर सकता है तथा पहला, दूसरा और तीसरा अंपायर भी बन सकता है। कड़वा तथ्य ये है कि, ऐसी सभी समूहों में, ब्रिक्स सबसे अप्रासंगिक है। हम जानते हैं कि नाटो किसके लिए है, या कम से कम होना चाहिए। आप अन्य समूहों की भी गिनती कर सकते हैं।

शांघाई सहयोग संगठन (एससीओ) ब्रिक्स के सबसे करीब है। लेकिन वहां, चीनी प्रभुत्व लगभग औपचारिक है। एससीओ चीन का बहुपक्षीय संगठन है। इसलिए हम कहते हैं कि एससीओ का भी कोई न कोई मकसद है, चाहे हमें पसंद आए या नहीं। यहां तक कि कुछ महत्वहीन संगठनों जैसे 57 देशों वाले ओआईसी (इस्लामिक सहयोग संगठन), में कम से कम एक जुड़ाव का तत्व इस्लाम तो है।

ब्रिक्स के सदस्यों में साझा क्या है? क्या यह डॉनल्ड ट्रंप या ‘बुरे अमेरिका’ के खिलाफ एक साझा मोर्चा है? बिल्कुल नहीं। पुतिन और ट्रंप एक-दूसरे की प्रशंसा करने वाले हैं। शी चिनपिंग जल्दी ही अमेरिका में होंगे, अपने संबंधों की किचकिच को दूर करने के लिए। उन्होंने ट्रंप को इस बात के लिए प्रोत्साहित करने की को?शिए़ा की है कि वह अपनी रणनीतिक बदलाव की



प्रक्रिया अंदर तक ही सीमित रखें। पहले और आखिर तक अमेरिका पर ही ध्यान रखें। ताइवान को भूल जाइए।

आइए कुछ विरोधाभास और परस्पर संबंधों की सूची बनाएं। शी के लिए, ट्रंप सबसे बड़ी खबर हैं। वह अमेरिका के गठबंधनों को कमजोर कर रहे हैं। इन देशों में से कुछ चीन की ओर मुड़ सकते हैं ताकि खतरे का स्तर कम हो सके। तो चीन रियायतें लेगा। अन्य, कमजोर और छोटे देश, खासकर वे जिनकी परिकल्पना (केवल भारत में, इतनी संवेदनशील रूप से) ग्लोबल साउथ के रूप में की जाती है, पहले ही चीन को नया प्रधान समझने लगे हैं और उसको सलाम ठोक रहे हैं। कम से कम शी आपको सार्वजनिक रूप से किसी तरह अपमानित नहीं करेंगे जैसे ट्रंप करते हैं।

शी के लिए, रूस एक विशाल देश है जिसके साथ उनकी सीमा साझा है, जिसमें दुनिया के सबसे ज्यादा नाभिकीय हथियार हैं, पाइपलाइन ऊर्जा का सुरक्षित स्रोत है, और सामरिक परिसंप?त है। भारत बिल्कुल अलग श्रेणी में आता है। उसके लिए सीमा का मुद्दा और स्थायी सैन्यकरण है। भारत को व्यापार बढ़ाने के लिए स्थिरता की जरूरत है। और जैसा कि हम जानते हैं, भारत-चीन व्यापार एकतरफा है।

इस समय, 112 अरब डॉलर के स्तर पर, भारत चीनी व्यापार अधिशेष में केवल 10 फीसदी से थोड़ा अधिक योगदान देता है। अमेरिका के साथ अधिशेष घट रहा है जिससे शी विकल्प चाहते हैं। और चाहे चीन को पसंद हो या न हो, भारत ने इस मौके का फायदा उठया है। अब, अपनी जनसांख्यिकीय समस्या और घटती घरेलू मांग के साथ, चीन को उन व्यापार

मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया

छोटे से गांव में हुआ था। उनके पिता एक संस्कृत विद्वान थे और उनका निधन बचपन में ही हो गया था और उनके परिवार को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा। इन कठिनाइयों के बावजूद विश्वेश्वरैया ने शिक्षा में शानदार प्रदर्शन किया।

चिक्कबल्लपुर और बेंगलुरु में अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद विश्वेश्वरैया ने बेंगलुरु के सेंट्रल कॉलेज से बीए की डिग्री हासिल की। बाद में उन्होंने पुणे के इंजीनियरिंग कॉलेज में दाखिला लिया, जहां उन्होंने तसविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। उनकी तकनीकी कुशाग्रता निखर कर सामने आई और उन्होंने बॉम्बे प्रेसीडेंसी के लोक निर्माण विभाग में पद प्राप्त किया, जिससे उनके एक प्रतिष्ठित करियर की शुरुआत हुई।

विश्वेश्वरैया को सिंचाई और बाढ़



नियंत्रण प्रणालियों में उनके काम के लिए याद किया जाता है। पुणे के पास खडकवासला जलाशय में स्थापित ऑटोमेटिक जलद्राओं का उनका डिज़ाइन उनके समय का एक अभूतपूर्व इ노वेशन था। बाद में इन द्वारों को पूरे भारत में कई

बांधों में दोहराया गया। विश्वेश्वरैया मैसूर को कृष्णराज सागर बांध के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसने क्षेत्र की कृषि और अर्थव्यवस्था को बदल दिया।

जल प्रबंधन के अलावा विश्वेश्वरैया ने हैदराबाद की जल निकासी प्रणाली के विकास में भी योगदान दिया, जिससे बार-बार आने वाली बाढ़ को रोका जा सका। वोडेयार राजवंश के शासनकाल में मैसूर राज्य के आधुनिकीकरण में उनके प्रयासों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जहां उन्होंने उद्योग, शैक्षणिक संस्थान और मैसूर साबुन

अधिशेषों की और भी ज्यादा जरूरत है। यही वजह है कि शी ने भारत के साथ सीमा पर एक विराम लिया है।

शी की तरह पुतिन भी नाटो के कमजोर होने पर खुश होते हैं। वह या तो सोचते हैं कि यूक्रेन पर कोई समझौता हो जाएगा और वह विजय का ऐलान करेंगे, या लड़ाई जारी रखेंगे क्योंकि अमेरिका की यूक्रेन को मदद कम हो रही है और यूरोप भी असहज है। संक्षेप में, ना तो शी दुनिया को अमेरिका के खिलाफ एकजुट कर रहे हैं, और ना ही पुतिन ऐसी किसी मुहिम में शामिल हो रहे हैं।

शी के विपरीत, पुतिन को भारत के साथ कोई परेशानी नहीं है। हालांकि, उनकी पहली प्राथमिकता शी से अलग नहीं है- एकतरफा व्यापार संबंध। भारत, रूस से चीन के अलावा किसी अन्य देश की तुलना में ज्यादा तेल खरीदने के लिए तैयार है। भारत अब भी रूसी हथियारों का सबसे बड़ा मौजूदा और संभावित खरीदार बना हुआ है, खासकर अगर प्रतिबंध हटा लिए जाते हैं।

तेल की मदद से, रूस भारत के साथ लगभग 45 अरब डॉलर का व्यापार अधिशेष भी रखता है। हालांकि, रूस अपेक्षाकृत सौम्य व्यापारिक भागीदार है और कुछ रक्षा तकनीकें देने को तैयार है जो कि कोई अन्य नहीं देगा। इसके अलावा, अगर आप सोचते हैं कि पुतिन भारत को रूस या चीन के बराबर समझते हैं, तो आप गलत हो सकते हैं।

ये समीकरण इस ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की पृष्ठभूमि बनाते हैं। भारत यहां सबसे मजबूत पक्ष नहीं है, चाहे उसकी मेहमाननवाजी कितनी भी शानदार क्यों न हो। आज भारत चीन और रूस का आधुनिक व्यापारिक उपनिवेश जैसा लगता है। इसे बड़े घाटे चलाने के लिए मजबूर होना पड़ता है क्योंकि यह केवल वही खरीद रहा है जिसकी उसे सख्त जरूरत है।

उदाहरण के लिए, भारत के बहुत सारे निर्यात ठप हो जाएंगे अगर उनके घटक, इंग्रीडिएंट या बल्क रासायनिक पदार्थ चीन से आने बंद हो जाएं। यह मजेदार बात है, लेकिन भारतीय कारोबार और उद्योग चीन से आयात के सबसे बड़े पक्षकार हैं। साथ ही, भारत को वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति की जरूरत है। इसके लिए

आगामी पांच वर्षों में अपनी सैन्य शक्ति का पुनर्निर्माण बेहद जरूरी है। यह दोहरी आयात निर्भरता भारत के दांव को बहुत कमजोर करती है। भारत बड़ी लीग में नहीं है। ट्रंप युग मध्यम शक्तियों और स्विंग स्टेट्स यानी जरूरत के हिसाब से पाला बदलने वालों के लिए कूर रहा है।

भारतीय टिप्पणीकारों और सोशल मीडिया पर सत्ता समर्थक प्रभावशाली इन्फ्लुएंसर्स के कुछ हिस्सों में जो उत्साह है, वह उन लोगों से आता है जिनमें गहरा अमेरिकी विरोध है। वे अमेरिका के अनिवार्य पतन और डॉलर का प्रभुत्व कम होने के सपने में जी रहे हैं। यह एक शक्तिशाली समूह है और यह व्यक्तिगत अमेरिकी विरोध से इतना प्रभावित है कि वे 'दुष्ट' पश्चिम को ठीक करने के लिए शी के साथ हाथ मिलाने में उम्मीद देखते हैं। क्या वे चीन की सीमा संबंधी मांगों को स्वीकार करेंगे? मुझे यकीन नहीं है।

दुश्मन का दुश्मन आपका मित्र हो सकता है, यह कहावत सरल से अधिक मूर्खतापूर्ण है। चीन अमेरिका को दुश्मन नहीं बल्कि समकक्ष मानता है। और अमेरिका भारत का दुश्मन नहीं है। लगातार तीन भारतीय प्रधानमंत्रियों ने भारत-अमेरिका संबंधों को एक स्वाभाविक रणनीतिक भागीदारी कहा है। मोदी ने यह बात मनमोहन सिंह और अटल बिहारी वाजपेयी दोनों से ज्यादा बार कही है। मैं बस इतना कह सकता हूं कि मोदी सरकार के पास ऐसी कोई कल्पना, भ्रम या जरूरत नहीं है।

और डि-डॉलराइजेशन यानी डॉलर का प्रभुत्व कम होने की बात? अगर डॉलर गायब हो जाए तो क्या होगा? उसकी जगह क्या आएगा? जो मजाक जिसे ब्रिक्स करेंसी कहा जाता है? अगर आप डॉलर का अंत चाहते हैं, तो क्या आप युवान युग में जीने को तैयार हैं? डॉलर की जगह रुपया तो नहीं लेने वाला। कम से कम अगले कई दशकों तक नहीं। या रुबल भी नहीं।

मैं इस बड़े शिखर सम्मेलन का मजा किरकिरा करने के लिए माफी चाहता हूं। शिखर सम्मेलनों का मुख्य उद्देश्य होता है कि नेताओं को उनके द्विपक्षीय मतभेदों के बावजूद एक साथ आने का मंच मिल सके। इससे अधिक उम्मीद करना एक खतरनाक भ्रम है।

यह शिखर सम्मेलन, अगर कुछ है, तो हमें भारत की कमजोरियों की याद दिलाता है, ताकतों की नहीं। इसे हमें आगे बढ़ने के कार्य में गंभीर होने का संकेत मानना चाहिए।

आज का इतिहास

- 1812 नेपोलियन के नेतृत्व में फ्रांसीसी सेना मास्को के क्रैमलिन पहुंची।
- 1860 भारत के सबसे बड़े इंजीनियर समझे जाने वाले एम विश्वेश्वरैया का जन्म हुआ। इसे देश में इंजीनियर्स डे के तौर पर मनाया जाता है।
- 1876 शरद चंद्र चट्टोपाध्याय का जन्म हुआ।
- 1890 हरक्यूल पॉयरॉट, मिस मार्सेल और फ्रांक पाइन जैसे जासूसी किरदारों में जान डालने वाली अगाथा क्रिस्टी का जन्म हुआ था।
- 1909 तमिल नेताओं में सबसे ऊंचा कद रखने वाले सी एन अन्नादुर्ग का जन्म हुआ था।
- 1959 भारत की राष्ट्रीय प्रसारण सेवा दूरदर्शन की शुरुआत।
- 1982 लेबनान के निर्वाचित राष्ट्रपति बशीर गेमायेल की पदासीन होने के पूर्व ही बम बिस्फोट में हत्या।
- 1894 प्योंगयांग की लड़ाई में जापान ने चीन को करारी मात दी।
- 1916 प्रथम विश्व युद्ध में पहली बार सोम्मे की लड़ाई में टैंक का इस्तेमाल किया गया।
- 1948 स्वतंत्र भारत का पहला ध्वजपोत आईएनएस दिल्ली बंबई(अब मुंबई) के बंदरगाह पर पहुंचा।
- 1959 भारत की राष्ट्रीय प्रसारण सेवा दूरदर्शन की शुरुआत हुई।
- 1971 हरी-भरी और शांति पूर्ण दुनिया के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध ग्रीन पीस की स्थापना की गई।
- 1981 वाुअतु संयुक्त राष्ट्र संघ का सदस्य बना।
- 2000 सिडनी में 27वें ओलम्पिक खेलों का शुभारम्भ।
- 2001 अमेरिकी सोनेट ने राष्ट्रपति को अफ़ग़ानिस्तान पर सैनिक कार्रवाई की मंजूरी दी।
- 2002 न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के अवसर पर भारत, चीन एवं रूस के विदेश मंत्रियों की बैठक आयोजित, थाईलैंड के सट्टाहिम में श्रीलंका सरकार व लिट्टे के बीच सीधी वार्ता शुरू।
- 2003 सिंगापुर के मुद्दे पर विकासशील देशों के भड़क उठने से डब्ल्यूटीओ वार्ता विफल।
- 2004 ब्रिटिश नागरिक गुरिंदर चट्ठा को वूमैन आफ़ द ईयर सम्मान।
- 2008 क्राफ्टन गिब्स ने अमेरिका की एमएसआई ग्रुप कंपनी का अधिग्रहण किया।
- 2009 बंगलूरु के मुंदिर शिवराजी ने सब जूनियर बिलियर्ड्स का खिताब जीता। पेंसुला फाउंडेशन के चेयरमैन सुब्रतो चटोपाध्याय 2009-10 के लिए आडिट ब्यूरो ऑफ़ सर्कुलेशन के अध्यक्ष चुने गये।

जलालाबाद से परशुरामपुरी बनने की गौरवगथा में सांस्कृतिक और आर्थिक पुनरुत्थान

रुद्र प्रताप दुबे

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने एक बार फिर सांस्कृतिक पुनर्स्थापना की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। 6 जुलाई को उत्तर प्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक में शाहजहांपुर जिले की जलालाबाद तहसील का नाम बदलकर %परशुरामपुरी% करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। मुग़ल कालीन नाम को हटाकर अपनी मूल सांस्कृतिक जड़ों की ओर लौटना, मात्र एक नाम का परिवर्तन नहीं बल्कि भारत के गौरवशाली अतीत और सनातन अस्मिता की पुनर्स्थापना है। जलालाबाद से परशुराम पुरी की यह यात्रा केवल एक कस्बे के नाम परिवर्तन तक सीमित नहीं है। यह उस सोच का विस्तार है जिसमें स्थानीय इतिहास, लोक-आस्था और सांस्कृतिक स्मृति को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया जा रहा है। भगवान परशुराम, जो शस्त्र और शास्त्र दोनों के प्रतीक माने जाते हैं, उनकी जन्मस्थली को उचित पहचान मिलना नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का माध्यम बन सकता है।

जलालाबाद का इतिहास अत्यंत प्राचीन और गौरवशाली रहा है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार यह भगवान परशुराम की तपोभूमि और जन्मस्थली रहा है। इसके बाद, महाभारत काल में भी इस क्षेत्र का विशेष महत्व था, माना जाता है कि पांडवों ने अपने अज्ञातवास का कुछ समय यहाँ के वनों में बिताया था लेकिन मुग़ल

काल में थोपे गए इस नाम के कारण इस भूमि की वास्तविक पहचान कहीं छिप गई थी। मुग़ल दस्तावेजों में भी इस क्षेत्र का ज़ि़क़्र एक महत्वपूर्ण परगने के रूप में करके इसकी महत्वपूर्ण धार्मिक पहचान को मिटाने का काम किया गया।

प्राचीन, सनातन और वास्तविक गौरव %परशुरामपुरी% का यह नाम परिवर्तन वास्तविकता में केवल धार्मिक नहीं, बल्कि इस क्षेत्र के लिए एक बड़ा आर्थिक गेम-चेंजर साबित होने जा रहा है। जैसे ही यह क्षेत्र आधिकारिक तौर पर %परशुरामपुरी% के रूप में स्थापित होगा, देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों का आवागमन बढ़ेगा। पर्यटकों की संख्या बढ़ने से होटल, लॉज, परिवहन, हस्तशिल्प, और पूजा-सामग्री से जुड़े स्थानीय व्यापार को भारी गति मिलेगी। युवाओं के लिए स्वरोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। परशुरामपुरी के भव्य विकास के लिए सड़कों का चौड़ािकरण, मंदिर परिसर का सुंदरीकरण और बुनियादी ढांचागत विकास तेज होगा, जिससे इस पूरे क्षेत्र के आर्थिक स्तर में भारी सुधार देखने को मिलेगा। अयोध्या, काशी और मथुरा जैसे धार्मिक केंद्रों में हाल के वर्षों में हुए कायाकल्प के बाद वहां श्रद्धालुओं की संख्या और स्थानीय आय दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है— परशुरामपुरी से भी वैसी ही अपेक्षा की जा रही है।वर्तमान में केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद जब उत्तर प्रदेश सरकार में लोक निर्माण विभाग के मंत्री थे तब बीजेपी



की डबल इंजन सरकार ने परशुराम मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण, सड़क संपर्क, बिजली-पानी की बेहतर व्यवस्था और श्रद्धालु सुविधा केंद्रों पर निवेश करना प्रारंभ कर दिया था। अब शाहजहांपुर से सटे जिलों के लोगों का मानना है कि यह क्षेत्र आने वाले वर्षों में एक

प्रमुख धार्मिक-पर्यटन गंतव्य के रूप में उभर सकता है। शाहजहांपुर, जो अब तक मुख्यतः कृषि और लघु उद्योगों पर निर्भर रहा है, मात्र इस पहचान के जरिए ही धार्मिक अर्थव्यवस्था के मानचित्र पर भी अपनी जगह बना सकता है।

जलालाबाद को %परशुरामपुरी% बनाने का यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उस वृहद् सोच का हिस्सा है, जो भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान को राष्ट्र के विकास का आधार मानती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्पष्ट मानना है कि भगवान परशुराम केवल एक जाति या वर्ग के आराध्य नहीं, बल्कि पूरे भारत के न्याय, करुणा और पुरुषार्थ के प्रतीक हैं। वहीं, गृहमंत्री अमित शाह ने कई अवसरों पर रेखांकित किया है कि भारत की प्राचीन अस्मिता और महापुरुषों के गौरव को पुनर्स्थापित करना ही %अमृत

काल% का मुख्य संकल्प है। वास्तव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जहां ‘विकास भी और विरासत भी% की सोच को लेकर आगे बढ़ते हैं वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार यह रेखांकित करते रहे हैं कि उनकी सरकार विकास के साथ-साथ प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत

और ऐतिहासिक पहचान को भी मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। बीते वर्षों में इलाहाबाद से प्रयागराज, मुगलसराय से पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर जैसे कई नामकरणों के जरिए यह नीति लगातार आगे बढ़ी है। इस ऐतिहासिक निर्णय को धरातल पर उतारने का श्रेय केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद के साथ ही शाहजहांपुर के स्थानीय जनप्रतिनिधियों के अनथक प्रयासों को जाता है। स्थानीय विधायकों और जनप्रतिनिधियों के एकजुट नेतृत्व और %भगीरथ प्रयास% का ही परिणाम है कि शासन-प्रशासन स्तर की सभी कड़ियों को पार करते हुए इस प्रस्ताव को कैबिनेट की अंतिम मंजूरी मिल सकी। जनप्रतिनिधियों की इस सजगता ने क्षेत्र के लोगों को अपनी जड़ों पर गर्व करने का ऐतिहासिक अवसर देते हुए इस ऐतिहासिक क्षेत्र को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान देने का रास्ता खोल दिया है। अयोध्या में श्री राम मंदिर और काशी में विश्वनाथ कॉरिडोर के दिव्य स्वरूप के बाद, अब परशुरामपुरी का यह कायाकल्प सनातन संस्कृति के ध्वज को और ऊँचा ले जाएगा।

स्थानीय जनता की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करके सरकार ने यह सिद्ध कर दिया है कि आधुनिक विकास के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक विरासत को संजोना ही %नव्य उत्तर प्रदेश% का असली मंत्र है। %परशुरामपुरी% अब न केवल आस्था का एक बड़ा केंद्र बनेगी, बल्कि शाहजहांपुर और आसपास के जिलों के लिए आर्थिक समृद्धि का एक नया द्वार भी खोलेगी।

जी-20 से ब्रिक्स तक, भारत के ‘मानव-केंद्रित दृष्टिकोण’ का महत्व

डा. आमना मिर्ज़ा

अंतर्राष्ट्रीय संबंध अध्ययन का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है। पहले यह केवल कूटनीतिक इतिहास के अध्ययन तक सीमित था, लेकिन आज इसका प्रभाव कई अन्य विषयों पर भी है। इसने एक लंबा सफ़र तय किया है। इसका अध्ययन और प्रभाव केवल युद्धक्षेत्र तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण, पारिस्थितिकी और अर्थव्यवस्था से भी जुड़ा है। पहले विश्व युद्ध से दूसरे विश्व युद्ध और फिर शीत युद्ध तक के इस सफ़र में, चिंता का एक अहम विषय कुछ विचारों का दबदबा और दूसरों की अनदेखी है। वैश्वीकरण शीत युद्ध के बाद के दौर की एक अहम पहचान बन गया। सोवियत संघ का विघटन, बर्लिन की दीवार का गिरना और नव-उदारवाद का उदय उस समय की महत्वपूर्ण विशेषताएं बन गईं। हालांकि, समय के साथ सुधार लाने का अपना एक अनोखा तरीका होता है। वैश्विक शासन के मामले में भी ऐसा ही देखने को मिला। समय के साथ, वैश्वीकरण के विभिन्न पहलुओं में मानवीय पक्ष की कमी देखी गई। इसका मतलब यह नहीं है कि कोई आपस में जुड़ी हुई वैश्विक दुनिया नहीं चाहता। हालांकि, जब अर्थव्यवस्था, समाज, पर्यावरण और संस्कृति को सिर्फ मुनाफे के एजेंडे के हिसाब से ढाला जाता है, तो यह एक समस्या बन जाती है। यह समस्या जरूरी है कि मुनाफा कमाना बुरी बात नहीं है, लेकिन यह शासन का एकमात्र पैमाना नहीं हो सकता। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के 75 साल पूरे होने से लेकर 2023 में जी-20 की अध्यक्षता और नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन तक, भारत ने हमेशा वैश्विक शासन में सुधार का महत्वपूर्ण अह्दान किया है। जी-20 समिट में ‘मानव-केंद्रित वैश्वीकरण’ से लेकर ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में ‘प्रतिनिधित्व, जवाबदेही और नियम-निर्माण’ पर ध्यान केंद्रित करने की बात तक, भारत

ने ग्लोबल गवर्नैस की गलतियों को सुधारने की अहम जरूरत पर बात की है। इसमें यह भी है कि ग्लोबल डिवैल्यूमेंट के लिए किसी भी समस्या-समाधान के तरीके का आज के समय की वास्तविकताओं से जुड़ा होना जरूरी है। ब्रिक्स नई दिल्ली घोषणापत्र अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के लिए एक सुधारात्मक दृष्टिकोण पेश करने की सार्थक कोशिश करता है। शांति और सुरक्षा, विश्व व्यापार संगठन, कूटनीति और बातचीत पर ध्यान, परमाणु सुरक्षा आदि इस घोषणापत्र के महत्वपूर्ण इक्षबंद हैं। ध्यान देने वाली बात यह है कि जी-20 से लेकर ब्रिक्स तक एक सक्रिय सदस्य होने के नाते, ‘लोगों पर केंद्रित दृष्टिकोण’ के विचार ने भारत को ‘मल्टी-अलाइनमेंट’ में ताकत और अहमियत दिलाई है। इसान को केंद्र में रखने वाला नजरिया जरूरी है क्योंकि बदलाव और गतिशीलता ही विकास की सच्चाई है। इसानी पहलू की समझदारी ही किसी भी प्रक्रिया को जमीनी स्तर से जुड़ने की क्षमता देती है। तकनीकी तरक्की और दूसरे विकास हमेशा से इसानी इतिहास का हिस्सा रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में ज्ञान के प्रमुख ढांचों ने मानवीय पहलू को नजरअंदाज किया। दूसरे विश्व युद्ध के बाद से दुनिया बहुत बदल गई है। आज के दौर में वैश्विक दुनिया के मुद्दे गतिशील हैं। राष्ट्रीय हित और शक्ति बहुआयामी हैं। ऐसे हालात में, लोगों पर केंद्रित दृष्टिकोण आर्थिक लाभ हासिल करने की दिशा में काम करने के लिए बेहतर स्थिति प्रदान करता है। यही वजह है कि मतभेदों के बावजूद ईरान और यू.ए.ई. को एक ही मंच पर देखा गया। व्यापार बाधाओं को दूर करना, कौशल विकास को प्रोत्साहित करना, स्टार्ट-अप, इनोवेशन और आर्थिक समझौतों पर काम करना और साथ ही लोगों पर केंद्रित दृष्टिकोण अपनाना भविष्य की बेहतर दुनिया के लिए बहुत फायदेमंद होगा। वैश्विक शासन के लिए एक नए और अनोखे नजरिए की जरूरत है।

सीएम सतीशन के सामने कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति सबसे बड़ी चुनौती

आदिति फडणीस

केरलम में फुटबॉल का जबरदस्त जुनून है। इसलिए, 2024 में जब राज्य की तत्कालीन वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार के खेल मंत्री वी अब्दुर रहमान ने घोषणा की कि उन्होंने यह कर दिखाया है-लियोनेल मेसी 2026 में राज्य में एक मैत्रीपूर्ण मैच खेलने आएंगे-तो ज्यादातर लोगों को उम्मीद थी कि अब्दुर रहमान 2026 के विधान सभा चुनावों में अपनी सीट (तिरु) पर भारी बहुमत से जीत हासिल करेंगे। मंत्री और उनके विभाग द्वारा किए गए प्रयासों में स्पेन की यात्रा भी शामिल थी, जो स्वाभाविक रूप से जनता के खर्च पर हुई। यह अपने आप में समझ से परे था क्योंकि मेसी तो अर्जेंटीना के खिलाड़ी हैं।

मेसी भारत तो आए, पर केरलम में कभी नहीं दिखे। अब्दुर रहमान 24,000 से अधिक वोटों के अंतर से अपनी सीट हार गए। मेसी को केरलम में ‘आमंत्रित’ करने पर 200 करोड़ रुपये से अधिक के चपले की बात की जा रही है (राज्य की जांच एजेंसियां अभी भी इसकी गणना कर रही हैं)। कहा जाता है कि इसमें से अधिकांश पैसा विदेश में संदिग्ध कंपनियों में लगाया गया।

केरल मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (केएमएससीएल) के मामलों सहित अन्य घोटालों की जांच विशेष जांच दल (एसआईटी) कर रहे हैं। केएमएससीएल राज्य की प्रसिद्ध चिकित्सा प्रणाली का एक अभिन्न अंग है। मुख्यमंत्री वी डी सतीशन ने अपने 100 दिन के कार्यकाल में पांच एसआईटी गठित करने का आदेश दिया है। यह एक तरह का रिकॉर्ड प्रतीत होता है।

एलडीएफ की लगातार दो सरकारों के



बाद सत्ता में आई कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सरकार एलडीएफ की विश्वसनीयता को कमजोर करने के लिए अपराध और सजा को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही है। लेकिन इससे कहीं अधिक गंभीर समस्याएं हैं, जिनमें से कुछ संरचनात्मक हैं, जिनका समाधान करना आवश्यक है।

सतीशन ने इस दिशा में कुछ कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। जून में पेश किए गए अपने संशोधित बजट में सरकार ने राज्य की भूमि नीति की समीक्षा करने, केरलम को समुद्री विकास पर आधारित एक ‘बंदरगाह शहर’ अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करने और नए निवेश ढांचे के माध्यम से विदेश से भेजे जाने वाले धन पर निर्भरता से मुक्ति पाने की घोषणा की।

महिलाओं के लिए मुफ्त परिवहन, जो पार्टी शासित राज्यों में कांग्रेस का एक प्रमुख कल्याणकारी उपाय बनता जा रहा है, लंबे समय से सामनाती की मांग कर रही आशा लेकिन इससे कहीं अधिक अहम है। मुख्यमंत्री पैकेज का हिस्सा थे। केरलम में मादक पदार्थों की समस्या के बारे में सभी जानते थे लेकिन किसी बात नहीं करते थे, अब यह सबके सामने आ गई और ऑपरेशन तब न के राज्य में सिंथेटिक ड्रग माफिया के व्यापक

प्रभाव को उजागर किया।

सरकार के पहले 100 दिन में ही मादक पदार्थ एवं मनोविकार पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत चौका देने वाले 11,700 मामले दर्ज किए गए। ऑपरेशन ताम्रन पुलिस कार्रवाई, हाई-प्रोफाइल गिरफ्तारियों, अंतरराज्यीय जांच और राजनीतिक संदेशों का एक अनूठा संगम बन गया है।

गृह मंत्री रमेश चेन्नितला इस अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं, जबकि उन्होंने अस्पष्ट रूप से यह स्वीकार किया है कि उन्होंने ‘कभी नहीं सोचा था कि मादक पदार्थ हमारे राज्य में एक गहरी जड़ जमा चुकी बीमारी है।’

सतीशन को बड़ा फायदा है। निकट भविष्य में राज्य के कोई चुनाव नहीं होने वाले हैं। स्थानीय निकाय चुनाव मई में हुए विधान सभा चुनावों से ठीक पहले हुए थे, इसलिए वे समाप्त हो चुके हैं। कहीं उपचुनाव की भी कोई आवश्यकता नहीं है। चुनावी मोर्चे पर उन्हें कुछ भी साबित करने की जरूरत नहीं है।

मई में हुए विधान सभा चुनावों में मिली करारी हार के बाद एलडीएफ अभी भी अपने घावों से उबरने में लगा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है, लेकिन जमीनी स्तर पर उसे सीमित समर्थन मिल रहा है। यूडीएफ सरकार ने स्वतंत्रता दिवस समारोह से वंदे मातरम को हटाने का फैसला किया। भाजपा ने घोषणा की कि वह 21 अगस्त को केरलम के सभी 30 जिलों में वंदे मातरम गाएगी।

मामला तब उलझ गया जब कोझिकोड नगर निगम में ध्वजारोहण समारोह में कांग्रेस और वामपंथी पार्षदों ने जन गण मन गाया,

वहीं सात भाजपा पार्षदों ने एक साथ वंदे मातरम गाया। राष्ट्रगान गाने वाले पार्षद इसके समाप्त होते ही चले गए। राष्टगीत गाने वाले पार्षदों ने खाली कुर्सियों के सामने अंत तक गाया। यह एक निराशाजनक क्षण था।

केरलम में कांग्रेस कुछ गुटों का समूह है। सतीशन किसी भी गुट से संबंधित नहीं हैं। यह बात उन्हें सुरक्षा प्रदान करती है, लेकिन साथ ही उन्हें अधिक असुरक्षित भी बनाती है।

अब तक न तो गांधी परिवार के करीबी माने जाने वाले केसी वेणुगोपाल, न ही मुख्यमंत्री बनने के योग्य समझे जाने वाले रमेश चेन्नितला, और न ही राज्य के किसी अन्य कांग्रेस नेता ने कोई कदम उठाया है। इससे सतीशन को कुछ राहत मिली है। राज्य इकाई के नए प्रमुख की नियुक्ति आवश्यक है। यही उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती हो सकती है। अतीत में एक से अधिक मुख्यमंत्री राज्य पार्टी प्रमुख के साथ तालमेल न होने के कारण पद से हटाए जा चुके हैं।

लेकिन पार्टी के लक्ष्यों और वादों से कहीं ज्यादा सतीशन इस बात से अवगत हैं कि उन्हें मुख्यमंत्री पद पर अपनी व्यक्तिगत छाप छोड़नी है। वह पर्यावरण के प्रबल समर्थक के रूप में जाने जाते हैं।

वार्निकी हो या खनन, इस क्षेत्र में सार्थक पहल अभी बाकी हैं। उन्होंने अतीत में केरलम की युवा पीढ़ी तक पहुंचने के लिए भी सार्थक प्रयास किए हैं। मुख्यमंत्री के रूप में, उन्हें आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के लिए बजट आवंटन जैसे दिखावटी उपायों से आगे बढ़कर काम करना होगा।

फिलहाल सतीशन अपना समय यूडीएफ की विरासत को आगे बढ़ाने में लगा रहे हैं। लेकिन उनके लिए जीवन हमेशा इतना शांत नहीं रह सकता।

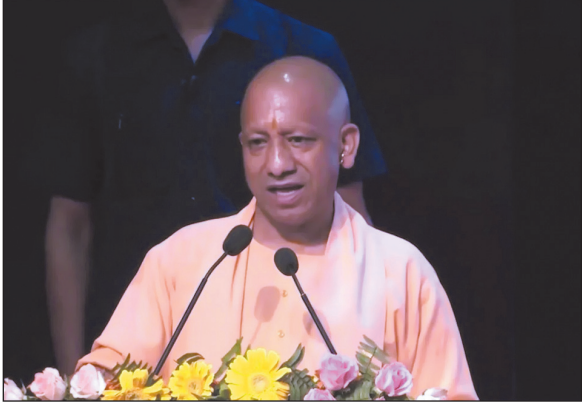
उत्तर प्रदेश में सनातन और विकास की गूंज

मृत्युंजय दीक्षित

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनावों की आहट के साथ ही सभी राजनैतिक दलों ने अपना गुणा-भाग करके उसके आधार पर पिच बनानी आरम्भ कर दी है। अभी तक जो राजनैतिक अनुमान सामने आए हैं उसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी गठबंधन की बढ़त स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ रही है। उधर सपा मुखिया अखिलेश यादव और कांग्रेस के मध्य सीटों के तालमेल पर अभी अंतिम निर्णय नहीं हो सका है जिसके कारण इंडी गठबंधन के कार्यकर्ताओं में भ्रम व असमंजस की स्थिति बनी हुई है। चुनावी तैयारी करते हुए सपा ने कार्यकर्ताओं की ट्रेस का रंग भी बदल डाला है।

भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े ने अपना कार्यभर संभाल लिया है और अपने इरादे भी स्पष्ट कर दिए हैं। भाजपा ने 2027 के लिए अपना लक्ष्य निर्धारित कर लिया है। प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े ने स्पष्ट रूप से कहा कि हमें हर बूथ को मजबूत करना होगा। कोई बूथ ह्यूटना नहीं चाहिए। सभी जातियों को साधने का मंत्र दिया गया है। संख्या चाहे कम हो या ज्यादा लेकिन कोई जाति अछूती न रहे। हमें सबको जोड़ना होगा। भाजपा ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि प्रदेश का चुनाव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व व उनके चेहरे पर ही लड़ा जाएगा। यही कारण है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पाती के माध्यम से, मंच से तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस के माध्यम से भी जनता के साथ संवाद बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी का जनता दरबार तो नियमित है ही। वह अयोध्या, मथुरा, काशी की भूमि से सनातन का संदेश भी दे रहे हैं। योगी स्वयं बड़ा प्रभारवित क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं और पीड़ितों से मिल रहे हैं। योगी ने सार्वजनिक संवाद के मंचीय भाषण और योजनाओं के शुभारंभ से आगे बढ़कर युवाओं, छात्रों ,लाभार्थियों से संवाद का विस्तार किया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मथुरा का दो दिवसीय दौरा कर स्पष्ट संकेत दे दिया है कि अयोध्या में दिव्य व भव्य राम मंदिर का निर्माण पूर्णता की ओर अग्रसर है और अब श्रीकृष्ण की जन्मभूमि की मुक्ति का समय आ गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बार श्री कृष्ण जन्माष्टमी के माध्यम से अवध से लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक समस्त क्षेत्र को



सनातन के रंग में रंग दिया और अपने मतदाता को बता दिया कि अब अगला चरण श्रीकृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति का ही है। मथुरा में मुख्यमंत्री योगी ने दो दिन बिताए। परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करते हुए सपा सरकार के काले कारनामों को उजागर किया और समा बांध दिया। अपने भाषण में योगी ने कहा कि प्रदेश में 2017 के पूर्व उत्सव नहीं उपद्रव होता था। पूर्व की सरकार दंगाइयों को सम्मान देती थी।अब दंगामुक प्रदेश में भारी संख्या में पर्यटक व श्रद्धालु आ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सनातन की आभा निरंतर बढ़ रही है।आज काशी विश्वनाथ धाम भव्यता और आधुनिक सुविधाओं के लिए जाना जा रहा है। अयोध्या में बाबर ने 128 में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर को तोड़कर गुलामी का ढांचा बनवा दिया लेकिन इससे रामनवमी, पंचकोसी, 14 कोसी और 84 कोसी परिक्रमा सावन का झूला मेला नहीं रुका। सनातन की आभा निरंतर बढ़ती रही और संघर्षों का जज्बा पैदा करती रही। इसी का परिणाम है कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम का दिव्य व भव्य मंदिर बन गया है।

मुख्यमंत्री मथुरा में दो दिन श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मनाने के बाद लखनऊ में रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित जन्माष्टमी कार्यक्रम में शामिल हुए और फिर उन्होंने गोरखपुर में भी जन्माष्टमी समारोह में भाग लेकर हिंदू समाज को स्पष्ट संकेत दिया कि भाजपा की योजना इस बार मंडल व कर्मंडल दोनों को अपने में समाहित कर लेने की है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जहां सनातन

की आभा बढ़ रही है वहीं विकास की गूंज भी लगातार सुनाई दे रही है। भाजपा सरकार अपनी योजनाओं के माध्यम से उन सभी वर्गों को खुश करने का प्रयास कर रही है जो उसके वोट प्रतिशत को बढ़ाने में सहायक है। प्रदेश के शिक्षकों के लिए सुविधाओं की घोषणा, 60 वर्ष की ऊपर की महिलाओं को नि:शुल्क बस यात्रा की सुविधा तथा समाजिक पेंशन में वृद्धि के बाद अब आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों तथा सेविकाओं का मानदेय भी बढ़ाने की घोषणा कर दी गई है। आंगनबाड़ी सेविकाओं का मानदेय 8 हजार से बढ़ाकर 12 हजार कर दिया गया हैजबकि सहायिका का मानदेय 6 हजार की जगह 8 हजार

कर दिया गया है। इसके अलावा 5 लाख तक का कैशलेस इलाज, स्मार्टफोन तथा साइडियों की संख्या भी बढ़ा दी गई है। अयोध्या में हुए कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने सपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि आज से 9 वर्ष पूर्व आंगनबाड़ी केंद्र जर्जर हालात में थे और बच्चे खुद टाट पट्टी लेकर पढ़ने के लिए आते थे, आंगनबाड़ी केंद्र अस्त व्यस्त रहते थे, समय से पोषाहार नहीं मिलता था। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने रामलला का मंदिर कैसे बन गया। वे समझ नहीं पा रहे हैं कि अयोध्या में रेलवे स्टेशन का विकास कैसे हो गया तथा सड़कने कैसे चौड़ी हो गयीं। महर्षि वाल्मीकि के नाम पर इतना बड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट कैसे बन गया?

आगामी विधनसभा चुनावों के लिए भाजपा ने कमर कस ली है और वह हर वर्ग व जाति को साधते हुए सधे हुए कदमों से आगे बढ़ रही है इसके इतर समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन सीटों के तालमेल पर ही अटक है।

पाकिस्तान कर रहा सिख श्रद्धालुओं को

उनके पूजा-पाठ के अधिकार से वंचित

कृष्ण भनोट

पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों से जुड़े गहरे तनाव की एक स्पष्ट याद दिलाते हुए, हाल ही में पाकिस्तान के सिख तीर्थयात्रियों के एक जत्थे को अपनी पवित्र यात्रा पूरी करने से रोक दिया गया, जो श्री हेमकुंट साहिब यात्रा और प्रकाश पर्व समारोहों सहित धार्मिक तीर्थयात्राओं के लिए भारत जाने का प्रयास कर रहा था। दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड के ऐतिहासिक तीर्थस्थलों के दर्शन के लिए भारत सरकार द्वारा वैध वीजा दिए जाने के बावजूद, 100 से अधिक श्रद्धालुओं के इस समूह को पाकिस्तानी आव्रजन (इमिग्रेशन) अधिकारियों द्वारा अचानक खड़ी की गई नौकरशाही बाधाओं का सामना करना पड़ा। भारत सरकार द्वारा जारी वैध वीजा से लैस 104 श्रद्धालुओं के इस समूह ने श्री हेमर्माँर साहिब और श्री हेमकुंट साहिब सहित पवित्र स्थलों की तीर्थयात्रा पर जाना था। मौजूदा भू-राजनीतिक प्रतिबंधों के कारण वाघा सीमा के सीधे जमीनी मार्ग से जाने से रोके जाने पर, इन तीर्थयात्रियों ने अपने आध्यात्मिक दायित्वों को पूरा करने के लिए असाधारण कदम उठाए। अपनी निजी बचत का त्याग करते हुए, उन्होंने सामूहिक रूप से लगभग 2 करोड़ पाकिस्तानी रुपए खर्च करके, उन्होंने नई दिल्ली पहुंचने के लिए शारजाह के रास्ते वैकल्पिक हवाई यात्रा की व्यवस्था की। इसके बावजूद, उनकी भक्ति को सुविधा की बजाय अचानक नौकरशाही की श्रुतों का सामना करना पड़ा। हवाई अड्डे पर, आव्रजन अधिकारियों ने अनापाति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) न होने का हवाला देते हुए अचानक उनकी रवानगी रोक दी, एक ऐसी शर्त, जिसकी न तो पहले कोई जानकारी दी गई थी और न ही इसे नियमित रूप से लागू किया जाता था। यह पाकिस्तान द्वारा अपने गैर-मुस्लिम नागरिकों के लंबे समय से चले आ रहे सुनियोबाद उत्प्रीडन का ताजा अश्वया है। हालांकि इस्लामाबाद धार्मिक सद्भाव का दिखावा

करने के लिए सिख तीर्थयात्राओं से जुड़े पी.आर. (जनसंपर्क) अभियानों का नियमित रूप से सहारा लेता है, लेकिन जमीनी हकीकत एक ऐसे सुनियोजित सरकारी तंत्र को उजागर करती है, जिसका मकसद अल्पसंख्यकों को डराना, हाशिए पर धकेलना और उनकी बुनियादी मानवीय गरिमा को छीनना है। यह घटना कोई छिपेपुष्ट प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों द्वारा झेली जाने वाली संस्थागत उदासीनता और व्यवस्थागत पाबंदियों के व्यापक ढें को दर्शाती है। जब अल्पसंख्यक नागरिक विदेशों में पवित्र स्थलों के दर्शन करके अपनी धार्मिक स्वतंत्रता के बुनियादी अधिकार का इस्तेमाल करने का प्रयास करते हैं, तो उन्हें अंतिम समय के नियमों के जाल, मनमानी एन.ओ.सी. मांगों और वित्तीय संकट का सामना करना पड़ता है। पाकिस्तान में सिख अल्पसंख्यकों के लिए, जिनकी आबादी लक्षित धर्मांतरण, सुरक्षा खतरों और सामाजिक अलगाव के कारण हाल के दशकों में तेजी से घटी है, पवित्र तीर्थयात्रा करने की अनुमति न मिलना उनकी आस्था और पहचान पर सीधा प्रहार करता है। किसी मेजबान राष्ट्र द्वारा जारी किया गया धार्मिक वीजा आध्यात्मिक पूर्ति को सुगम बनाने के लिए होना चाहिए, न कि घरेलू अधिकारियों द्वारा नौकरशाही प्रतिशोध को जन्म देने के लिए। इन फंसे हुए तीर्थयात्रियों को दुर्देशा अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों और धार्मिक स्वतंत्रता की निगरानी करने वाली संस्थाओं द्वारा पाकिस्तान के अपने अल्पसंख्यक समुदायों के प्रति व्यवहार की बारीकी से जांच करने की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करती है। आध्यात्मिक आस्था को कभी भी नौकरशाही दबाव या राजनीतिक पैंतेरेबाजी का बंधक नहीं बनाया जाना चाहिए।

सेवा संकल्प अभियान के तहत महासमुंद में 17 सितंबर को जगमगाएंगे आशीर्वाद के 6 लाख दीप

■ अटल परिसर महासमुंद में होगा मुख्य आयोजन, 8 हजार दीपों से

महासमुंद। सेवा, समर्पण और जनभागीदारी की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान के तहत महासमुंद जिले में 17 सितंबर को ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर जिलेभर में करीब 6 लाख दीप प्रज्वलित कर सेवा, सुशासन और जनकल्याण के प्रति सामूहिक संकल्प व्यक्त किया जाएगा। कार्यक्रम को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा यात्रा से जोड़ते हुए जिले में व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। कार्यक्रम का मुख्य आयोजन अटल परिसर, महासमुंद में होगा, जहां लगभग 8 हजार दीपों



से परिसर को रोशन किया जाएगा। इसके साथ ही जिले के सभी प्रमुख मंदिरों, चौक-चौराहों, ग्राम पंचायतों, शासकीय कार्यालयों, पंचायत भवनों, पीडीएस भवनों, अमृत सरोवरों, ग्रामीण बाजारों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। जिलेवासियों से ‘हर घर एक दीया’ जलाकर इस जनअभियान में सहभागी बनने का आह्वान किया गया है।

इस संबंध में आज प्रभारी कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ सुश्री अनुपमा आनंद ने टास्कफोर्स एवं सभी नोडल अधिकारियों की बैठक लेकर कार्यक्रम की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को आपसी

समन्वय के साथ सभी तैयारियां 16 सितंबर तक पूर्ण करने तथा कार्यक्रम में अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री सचिन भूतड़ा, श्री रवि साहू सहित विभिन्न विभागों के नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

17 सितंबर को शाम 5 बजे से 6 बजे तक विभिन्न स्थलों पर साज-सज्जा, बैठक व्यवस्था तथा ध्वनि एवं प्रकाश व्यवस्था पूर्ण की जाएगी। शाम 6 बजे से 6:30 बजे तक दीप प्रज्वलन की तैयारी एवं रंगोली प्रदर्शन होगा। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, स्व-सहायता समूह की दीदियों और नागरिकों की सहभागिता रहेगी। शाम 7 बजे जिला मुख्यालय सहित जिले के सभी चिन्हित स्थलों—शहरी चौक, ग्राम पंचायतों, शासकीय कार्यालयों एवं मोहल्लों—में एक साथ सामूहिक दीप प्रज्वलन किया जाएगा।

समन्वय के साथ सभी तैयारियां 16 सितंबर तक पूर्ण करने तथा कार्यक्रम में अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री सचिन भूतड़ा, श्री रवि साहू सहित विभिन्न विभागों के नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

17 सितंबर को शाम 5 बजे से 6 बजे तक विभिन्न स्थलों पर साज-सज्जा, बैठक व्यवस्था तथा ध्वनि एवं प्रकाश व्यवस्था पूर्ण की जाएगी। शाम 6 बजे से 6:30 बजे तक दीप प्रज्वलन की तैयारी एवं रंगोली प्रदर्शन होगा। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, स्व-सहायता समूह की दीदियों और नागरिकों की सहभागिता रहेगी। शाम 7 बजे जिला मुख्यालय सहित जिले के सभी चिन्हित स्थलों—शहरी चौक, ग्राम पंचायतों, शासकीय कार्यालयों एवं मोहल्लों—में एक साथ सामूहिक दीप प्रज्वलन किया जाएगा।

बेटी और नातिन को

खैरागढ़। माखन वर्मा का घर ग्राम भानपुरी, जिला राजनांदगांव में है। माखन वर्मा की बेटी बोधंतिन वर्मा की शादी खैरागढ़ के ठेलकाडीह थाना इलाके के ग्राम घोंघेडबरी में हुई है। बेटी के पति की मौत के बाद माखन वर्मा अक्सर राजनांदगांव से आकर बेटी के खेतों में फसल लगाने और दवाओं के छिड़काव का काम करते थे।

रविवार को भी माखन वर्मा बेटी के घर पहुंचे और खेत पर दवा का छिड़काव करने के लिए गए। दवा का छिड़काव करने के बाद माखन वर्मा अपनी बेटी और नातिन के साथ घर लौट रहे थे। रास्ते में मधुमक्खियों के छूते में हलचल हुई और उनके झुंड ने तीनों पर हमला कर दिया। पिता माखन वर्मा ने बेटी और नातिन को वहां से भाग जाने को कहा



और वो खुद पीछे-पीछे दौड़कर घर की ओर भागे। लेकिन मधुमक्खियों के झुंड ने माखन वर्मा को घेर लिया।

माखन वर्मा अपनी बेटी के घर आकर खेती-बाड़ी में मदद किया करता था। घटना वाले दिन वो खेत में दवा का छिड़काव कर घर लौट रहा था। रास्ते में मधुमक्खियों ने उनपर हमला कर दिया। पिता ने बेटी

और नातिन को मौके से भगा दिया लेकिन वो खुद मौके पर फंस गया। रूपेश कुमार डाण्डे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, खैरागढ़

बेटी और नातिन किसी तरह से मधुमक्खियों के हमले से बचकर गांव तक पहुंचीं। गांव पहुंचकर वो काफी देर तक पिता के आने की राह देखती रही। जब उसे किसी अनहोनी का

शक हुआ, तब उसने गांव वालों को बुलाकर घटना की जानकारी दी। गांव के लोग तत्काल माखन वर्मा को खोजते हुए मौके पर पहुंचे, जहां पर धान के खेत में उनका शव पड़ा मिला।

सूचना मिलने पर ठेलकाडीह पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए खैरागढ़ सिविल अस्पताल भेज दिया, जहां पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि माखन की मौत मधुमक्खियों के डंक से हुई, हमले से बचने के दौरान पानी में डूबने से हुई या कोई अन्य वजह रही। मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही सामने आएगी। पिछले एक साल में कुल 7 बार मधुमक्खियों के हमले सामने आ चुके हैं।

छिनी-हथौड़ी लेकर एटीएम में घुसा चोर

डोंगरगढ़। शहर के बीचों-बीच स्थित बस स्टैंड के एसबीआई एटीएम बूथ में रविवार और सोमवार की दरमियानी रात चोरी की सनसनीखेज कोशिश का मामला सामने आया है। चोर चोरी की वारदात को अंजाम दे पाता उससे पहले ही स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दे दी और फिर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

बताया जा रहा है कि आरोपी पूरी तैयारी के साथ,ज़रू बूथ में दाखिल हुआ था। उसने सबसे पहले छष्टझड़ू कैमरे को निशाना बनाया, ताकि उसकी हरकत रिकॉर्ड न हो सके। इसके बाद हथौड़ी और छीनी से,ज़रू मशीन के उस हिस्से को तोड़ने की कोशिश की, जहां से मशीन का कवर और दरवाजा खुलता है। लगातार वार के कारण,ज़रू का बाहरी हिस्सा क्षतिग्रस्त भी हुआ। इसी दौरान आसपास मौजूद लोगों को बूथ में संदिग्ध गतिविधि नजर



आई। लोगों ने आरोपी को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। कुछ ही देर में पेट्रोलिंग टीम वहां पहुंच गई। स्थानीय निवासी और रख्खू कर्मचारी अंजल निगम भी रात में अपने रिश्तेदार को रेलवे स्टेशन छोड़कर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर बस स्टैंड स्थित ज़रूबूथ की ओर गई। अंजल के मुताबिक, वहां कुछ स्थानीय लोग पहले से मौजूद थे और उन्होंने संदिग्ध युवक को पकड़ रखा था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। डोंगरगढ़ एसडीओपी केसरी नंदन नायक ने बताया कि रात में पुलिस पेट्रोलिंग के दौरान, ज़रू के पास एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। जांच करने पर उसके पास छीनी और

हथौड़ी मिली। उसने ज़रू के कवर वाले हिस्से को तोड़ दिया था। पुलिस टीम ने उसे मौके पर पकड़कर थाने लाया। पूछताछ में उसकी पहचान सेवाराम वर्मा निवासी अंडी के रूप में हुई है। एसडीओपी के अनुसार, आरोपी उस समय नशे की हालत में था और ज्यादा जानकारी नहीं दे पाया। मामले में सुबह से पूछताछ की जा रही है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि शहर के इतने व्यस्त इलाके में आरोपी आधी रात हथौड़ी-छीनी लेकर, ज़रू तक पहुंच गया और छष्टझड़ू कैमरा तोड़कर मशीन को निशाना बनाता रहा। गनीमत रही कि स्थानीय लोगों की सतर्कता और पुलिस पेट्रोलिंग के चलते, ज़रू से रकम चोरी होने से पहले ही आरोपी पकड़ा गया, लेकिन शहर में लगातार सुनसान इलाकों में सक्रिय चोर गिरोह की मौजूदगी से शहरी इलाके में हड़कंप मचा दिया है।

शराब दुकान के सुपरवाइजर व सेल्समैन बने कोचिए

संकुल समन्वयक शिक्षक समेत 7 रंगे हाथों गिरफ्तार, 8 लाख की कार और 160 पाव शराब जब्त

आरंग। सरकारी तंत्र को चूना लगाकर शराब तस्करी करने वाले एक बड़े नेटवर्क का आरंग पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। हैरान कर देने वाले इस मामले में शराब दुकान के सुपरवाइजर, सेल्समैन और मल्टी-वर्कर के साथ ही अमोदी में पदस्थ शासकीय शिक्षक व संकुल समन्वयक तिरिंत राम बांधे भी तस्करी के इस काले कारोबार में संलिप्त पाया गया है। एसएसपी रायपुर, एसपी एवं डीएसपी माना के निर्देश पर थाना प्रभारी आरोपित नरेश साहू के नेतृत्व में गश्त पर निकली पुलिस टीम को मुखबिर से सटीक सूचना मिली कि सफेद रंग की लूजरी आर्टिंका कार (श्रत 04 त्छह 5200) में ग्राम गुल्लू शराब भंडी से भारी मात्रा में अवैध शराब भरकर



रानीसागर की ओर ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही सडीन अमिल चंद्रवंशी, प्रशिक्षु उपनिरीक्षक सुरेश बंधन, आरक्षक नियाज खान और सैनिक दुर्गेश चंद्रकार की टीम ने रानीसागर हनुमान मंदिर के पास घेराबंदी कर कार को रोका। कार की तलाशी लेने पर 160 नग पाव देशी मसाला शराब (कुल 28.800 बल्क लीटर, कीमत 216,000) बरामद हुई। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त 8 लाख रुपये की कार, सहित कुल 28,16,000 का सामान जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपियों में परसवानी, ग्राम अमोदी निवासी शिक्षक एवं संकुल समन्वयक तिरिंत राम बांधे (45 वर्ष) गुल्लू निवासी , शराब दुकान सुपरवाइजर उबारन दास पुरेना (34 वर्ष), कोडापार निवासी

शराब दुकान सेल्समैन राजेश कटले (31 वर्ष), शराब दुकान मल्टी वर्कर परसवानी निवासी सुरेश बांधे (36 वर्ष), परसवानी निवासी वाहन चालक भरत रात्रे (38 वर्ष), अमोदी निवासी दिलीप कुमार कुरें (50 वर्ष), अमोदी निवासी भागवत बाले (38 वर्ष) शामिल हैं। थाना प्रभारी नरेश साहू ने बताया कि सरकारी शराब दुकान के कर्मचारी खुद कोचियों की भूमिका निभा रहे थे, जिसमें संकुल समन्वयक शिक्षक की संलिप्तता ने शिक्षा विभाग को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है। सभी 7 आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। नेटवर्क से जुड़े अन्य चेहरों का पता लगाने जांच जारी है।

पति और ससुर दहेज के लिए प्रताड़ित करने व हत्या के आरोप में गिरफ्तार

बलरामपुर। सनावल थाना क्षेत्र के सेमरवा गांव में 9 सितंबर को एक नवविवाहित की तालाब में लाश मिली थी। जांच के दौरान आत्महत्या का मामला सामने आया। जिसके बाद बलरामपुर पुलिस ने परिवार, गांव वालों और मृतका के परिजनों से पूछताछ शुरू की। बीते 9 सितंबर को दोपहर के समय संगीता घास काटने पियाह नाला की तरफ गयी थी। काफी देर तक घर वापस नहीं आने पर घर वालों ने उसकी तलाश शुरू की। काफी देर ढूंढने के बाद छोटे तालाब के अंदर झाड़ियों में फंसी संगीता की लाश मिली।



पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस के साथ एफएसएल की टीम ने भी घटना स्थल पर पहुंचकर जांच की। पुलिस ने शव निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। तीन डॉक्टरों की टीम ने किया शव का पोस्टमॉर्टम किया। मृतका का मर्ग पंचनामा

कार्यपालिक मजिस्ट्रेट से कराया गया। मर्ग जांच पर परिजन एवं अन्य गवाहों के बयान लिए गए। मृतका के परिजनों ने बताया कि संगीता का विवाह इसी साल 12 मई 2026 में सेमरवा गांव के दिलीप यादव से हुआ था। पिता गंगा यादव ने आरोप लगाया कि शादी के एक माह बाद से फ्रिज, वॉशिंग मशीन, सोने की अंगूठी के लिए पति, सास, ससुर, हमेशा झगड़ा और मारपीट करते थे। पिता ने बताया कि उन्होंने दिवाली के समय सामान देने की बात लड़की के ससुराल वालों से कही थी, उसके बाद भी बेटी को मार दिया

गया। पीड़ित पिता ने बेटी की हत्या का आरोप उसके ससुराल वालों पर लगाया। नवविवाहिता की मौत मामले में रंविवार को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए संगीता यादव के पति दिलीप यादव और ससुर सुरेश यादव को गिरफ्तार किया है।दोनों को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायालय ने उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। रामानुजगंज एसडीओपी बाजीलाल सिंह ने बताया कि पुलिस की प्रारंभिक जांच में अपराध घटित करना पाये जाने पर धारा 80, 3 (5) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

छत्तीसगढ़

प्रमुख समाचार

जशपुर के 200 स्कूलों में अब सादरी बोली में पढ़ेंगे बच्चे

जशपुर। जशपुरनगर। प्राथमिक शिक्षा के शुरुआती वर्षों में बच्चों और शिक्षकों के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने के लिए सराहनीय पहल की जा रही है। सीखने की क्षमता को बढ़ाने के लिए स्थानीय बोलियों में पढ़ाई को जोर दिया जा रहा है। इसी सिलसिले में अब जशपुर जिले में सादरी बोली को पढ़ाई से जोड़ने की तैयारी पूरी कर ली गई है। जिले के कुनकुरी और बगीचा विकासखंड के 200 प्राथमिक स्कूलों में सादरी बोली के माध्यम से शिक्षण की शुरुआत होने जा रही है। दोनों विकासखंडों के शिक्षकों का प्रशिक्षण भी पूरा हो चुका है। जिले में यह कार्यक्रम लैंग्वेज लर्निंग फाउंडेशन और टाटा रुप के सहयोग से लागू किया जा रहा है। इसका उद्देश्य केवल बच्चों को उनकी परिचित भाषा में पढ़ाना नहीं, बल्कि कक्षा में शिक्षक और छात्र के बीच संवाद को मजबूत करते हुए बच्चों की समझ, बोलने की क्षमता और सीखने के स्तर में सुधार लाना है। इस पहल को नई शिक्षा नीति के तहत बहुभाषी शिक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

विशाखापट्टनम-किरंदुल पैसेंजर में जोड़ा अतिरिक्त विस्टाडोम कोच

जगदलपुर। मानसून के दौरान लोगों की अरकू की वादियों को देखने की चाहत के बीच साउथ कोस्ट रेलवे ने विशाखापट्टनम किरंदुल पैसेंजर में एक अतिरिक्त विस्टाडोम कोच जोड़ा है। विशाखापट्टनम से किरंदुल तक चलने वाली पैसेंजर में अतिरिक्त विस्टाडोम की यह सुविधा रविवार से शुरू कर दी गई है। 13 सितंबर के साथ ही 15, 17,19,21, 23, 25, 27 और 29 सितंबर को मिलेगी, जबकि किरंदुल से विशाखापट्टनम के लिए चलने वाली पैसेंजर में अतिरिक्त विस्टाडोम की सुविधा 14, 16, 18, 20, 22, 24, 26 और 28 सितंबर को मिलेगी। जगदलपुर से विशाखापत्तनम के लिए सुबह 9:50 को छूटने का समय है, वहीं वापसी दूसरे दिन सुबह 7 बजे विशाखापट्टनम से जगदलपुर के लिए निकलती है। इस विशेष कोच में कांच की छत, बड़ी खिड़कियाँ, घूमने वाली सीटें सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध रहती हैं। बात करें कोशिश की तो रेलवे ने इस विस्टाडोम का किराया 1300 रुपए रखा है। वादियों का बारिश में नजारा देखना के लिए 1300 रुपए ज्यादा नहीं है।

मां दंतेश्वरी मंदिर परिसर की प्राचीन श्रीगणेश की प्रतिमा को किया सुसज्जित

दंतेवाड़ा। जिले की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान मां दंतेश्वरी मंदिर से जुड़ी हुई है। श्रीगणेश चतुर्थी के अवसर पर मां दंतेश्वरी मंदिर परिसर में विराजमान शताब्दियों पुरानी दक्षिणमुखी विघ्नहर्ता श्रीगणेश की विशाल प्रतिमा को विशेष रूप से सजाया गया है। आज दिन भर गणपति के दर्शन करने भक्तों की भीड़ उमड़ी रही। मंदिर के पुजारी विजेंद्र नाथ ने बताया कि दंतेवाड़ा के मां दंतेश्वरी मंदिर नागवंशी राजाओं की धार्मिक आस्था से जुड़ा हुआ है, 11वीं शताब्दी में नागवंशी राजाओं ने क्षेत्र में अपना शासन स्थापित करने के साथ ही आराध्य देवी मां दंतेश्वरी का मंदिर स्थापित कराया। समय के साथ दंतेवाड़ा, बारसूर, पोड़ापाल, बैलाडीला की पहाड़ियों और आस-पास के क्षेत्रों में अनेक प्राचीन मूर्तियां प्राप्त हुईं। इन इतिहासिक और धार्मिक महत्व की प्रतिमाओं को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से मंदिर परिसर का विस्तार किया गया और कई प्राचीन प्रतिमाओं को यहाँ स्थापित किया गया। इसी क्रम में बारसूर से भगवान श्रीगणेश की प्राचीन प्रतिमा को दंतेश्वरी मंदिर लाकर स्थापित की गई।

विश्वकर्मा पूजा पर बैलाडीला खदान क्षेत्र खोला जाएगा

दंतेवाड़ा। जिले के बैलाडीला खदान क्षेत्र में प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी 17 सितंबर को विश्वकर्मा पूजा हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी। खास बात यह है कि विश्वकर्मा पूजा के दिन बैलाडीला खदान क्षेत्र आम नागरिकों और पर्यटकों के लिए खोला जाएगा। कोरोना काल के बाद से प्रतिबंधित खदान क्षेत्र में प्रवेश का लोगों को लंबे समय से इंतजार था। बस्तर सांसद महेश करयप ने बचेली स्थित पुनएमडीसी कार्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान खदान क्षेत्र को विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर आम नागरिकों के लिए खोले जाने को लेकर चर्चा की थी। उनकी पहल के बाद इस वर्ष पुन- लोगों को बैलाडीला के खदान क्षेत्र को करीब से देखने का अवसर मिलने जा रहा है। कोरोना काल के बाद बैलाडीला के खदान क्षेत्र आम नागरिकों के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था। ऐसे में विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर साल में एक दिन खदान क्षेत्र खोलने का लोगों को खास इंतजार रहता है। इस दिन बस्तर संभाग से बड़ी संख्या में लोग बैलाडीला पहुंचते हैं।

बकावंड ब्लॉक में राशि स्वीकृत होने के बावजूद नही बने शौचालय

जगदलपुर। बस्तर जिले के बकावंड ब्लॉक में बच्चों के लिए वर्ष 2025 में प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में नवीन शौचालय निर्माण के लिए राशि स्वीकृत होने के बावजूद कई स्कूलों में निर्माण कार्य अब तक शुरू नहीं होने, अधूरा रहने अथवा मौके पर शौचालय नहीं होने के दावे किए जा रहे हैं। लखेश्वर करयप का आरोप है कि कहीं 40 प्रतिशत की पहली किस्त निकल गई, लेकिन निर्माण के नाम पर एक ईंट तक नहीं लगी, तो कहीं पूरी राशि आहरित किए जाने के बावजूद स्कूल परिसर में शौचालय का कोई अंता-पंता नहीं है। लखेश्वर करयप का कहना है कि यदि विभागीय पोर्टल पर कार्य पूर्ण दर्शया गया है और मौके पर निर्माण दिखाई नहीं देता। सबसे बड़ा सवाल यही है कि बच्चों के लिए स्वीकृत पैसा आखिर गया कहा? यदि राशि जारी हुई, तो निर्माण क्यों नहीं हुआ? यदि निर्माण हुआ तो उसका भौतिक सत्यापन किसने किया? और यदि काम पूरा दिखाया गया है तो स्कूलों में उसका वास्तविक ढांचा क्यों नजर नहीं आ रहा?

सेक्टर 2 में आस्था और प्रकृति के संगम में गणपति के दर्शन

दुर्ग। गणेश उत्सव में हर साल कुछ नया और अनोखा करने के लिए पहचान बना चुकी गणेश उत्सव समिति सेक्टर-2 इस बार भी श्रद्धालुओं के लिए खास आकर्षण तैयार कर रही है। इस बार समिति का भव्य गणेश पंडाल ‘मनत मंदिर’ की थीम पर तैयार किया जा रहा है। खास बात यह है कि पंडाल में भगवान गणेश के दर्शन से पहले श्रद्धालुओं को माता तारा के चरणों के दर्शन होंगे। आस्था के साथ-साथ इस बार पंडाल में प्रकृति और पक्षियों की झलक भी देखने को मिलेगी। भिलाई के सेक्टर-2 में इस बार गणेश उत्सव के लिए तैयार किया जा रहा पंडाल श्रद्धालुओं को धार्मिक आस्था के साथ प्रकृति और कला का अनोखा अनुभव कराने वाला है। करीब 140 फीट लंबा और 60 फीट चौड़ा यह विशाल पंडाल ‘मन्रत मंदिर’ की थीम पर तैयार किया जा रहा है। पंडाल में प्रवेश



करते ही श्रद्धालुओं को सबसे पहले माता तारा के चरणों के दर्शन होंगे। इसके बाद भक्त आगे बढ़कर भगवान गणेश के दर्शन कर सकेंगे। माता के समक्ष श्रद्धालु अपनी मनोकामना रखकर मनत्र की डोर भी बांध सकेंगे। इसी विचार को केंद्र में रखते हुए पूरे पंडाल को मंदिर के मंदिर में तैयार किया गया है। इस पंडाल की सबसे खास बात इसकी सजावट है। समिति ने इस बार पंडाल को प्रकृति और पक्षियों की थीम से

जोड़ा है। पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली सामग्री से बचते हुए प्राकृतिक वस्तुओं का इस्तेमाल किया जा रहा है। पंडाल में पत्ते, पेड़ों की छाल, विशेष प्रकार के बांस, मिट्टी की मटकियां, सूखे तालपत्र, बेल फल के खोल, सूखे कमल और बांस की स्टिक जैसी सामग्रियों से सजावट की जा रही है। पंडाल के अंदर पहुंचने पर श्रद्धालुओं को ऐसा अनुभव करने की कोशिश की जा रही है, जैसे वे किसी

खूबसूरत प्राकृतिक दुनिया का हिस्सा बन गए हो। धार्मिक आस्था, प्राकृतिक सौंदर्य और पारंपरिक कला को एक साथ जोड़ने की यह कोशिश इस बार के गणेश उत्सव को खास बना रही है। इस भव्य पंडाल को तैयार करने के लिए कोलकाता से करीब 50 विशेषज्ञ कारीगरों की टीम जुटी हुई है। इनमें करीब 45 कारीगर लगातार पंडाल निर्माण और सजावट के काम में लगे रहे। पिछले करीब 45 दिनों से दिन-रात मेहनत कर कारीगरो ने पंडाल को अंतिम रूप दिया। गणेश उत्सव समिति सेक्टर-2 हर साल अपने अलग-अलग थीम वाले पंडालों के लिए चर्चा में रहती है। इस बार भी समिति की कोशिश है कि श्रद्धालुओं को सिर्फ भगवान गणेश के दर्शन ही नहीं, बल्कि एक ऐसा आध्यात्मिक और प्राकृतिक अनुभव मिले, जिसे वे लंबे समय तक याद रखें।

मां भद्रकाली मंदिर: राज्यपाल रमेन डेका ने किए दर्शन

बेमेतरा। राज्यपाल रमेन डेका आज परिवार के सदस्यों के साथ एक दिवसीय दौरे पर बेमेतरा के भद्रकाली मंदिर पहुंचे। राज्यपाल ने यहाँ विधि विधान से मां भद्रकाली की पूजा अर्चना की। मंदिर परिसर पहुंचने पर मंदिर प्रबंधन की ओर से उनको स्वागत भी किया गया। राज्यपाल ने पूजा पाठ के बाद मां भद्रकाली से दर्शन और छत्तीसगढ़ में खुशहाली और शांति की कामना की। राज्यपाल रमेन डेका का जब भी बेमेतरा दौरा होता है, वो मां भद्रकाली मंदिर के दर्शन और आशीर्वाद लेना नहीं भूलते। सोमवार को राज्यपाल के मंदिर प्रांगन पहुंचने पर कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगोई और जिला पंचायत सीईओ प्रेमलता पयाकर ने उनका



स्वागत किया। राज्यपाल रमेन डेका ने स्थानीय लोगों और भक्तों का भी अभिवादन स्वीकार किया। राज्यपाल के दौरे को देखते हुए सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजाम किए गए थे। बेमेतरा के हृदय स्थल बाजार पारा में मां भद्रकाली का दिव्य मंदिर है जो कई साल पुराना है। कहा जाता है कि भद्रकाली मंदिर के स्थान पर पहले भैरव बाबा का मंदिर हुआ करता था, जिसे हटाकर भद्रकाली

मंदिर बनवाया गया। गांव के लोग बताते हैं कि नगर के लेखराज शर्मा के सपने में आकर देवी भद्रकली ने अपने होने का जिक्र किया था, जिसके बाद श्रद्धालुओं ने वहां माता का मंदिर बनवाया और सपने में दिए गए स्थान से देवी की प्रतिमा लाकर मंदिर में स्थापित किया। यहीं कारण है कि बेमेतरा नगर को मां भद्रकाली की नगरी या भद्रकाली की धरा कहा जाता है।



प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में युवा सशक्तीकरण को नई दिशा

युवा शक्ति से आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की नई उड़ान

कौशल, नवाचार, रोजगार और स्वरोजगार के जरिए बदल रही युवाओं की तकदीर

छत्तीसगढ़ आज युवा शक्ति के दम पर विकास की नई इबारत लिख रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार युवाओं को केवल नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि अवसरों का निर्माण करने वाला नागरिक बनाने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा, स्टार्टअप प्रोत्साहन, उद्योगों से साझेदारी, स्वरोजगार योजनाएं और पारदर्शी भर्ती प्रक्रियाएं मिलकर एक ऐसे आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की नींव रख रही हैं, जहां हर युवा के सपनों को उड़ान देने का प्रयास किया जा रहा है।

“हमारा लक्ष्य केवल युवाओं को प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि उन्हें रोजगार, स्वरोजगार और उद्यमिता से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना है। छत्तीसगढ़ का प्रत्येक युवा अपनी प्रतिभा और कौशल के बल पर सफलता प्राप्त करे, यही हमारी सरकार की प्राथमिकता है। युवा शक्ति ही विकसित और समृद्ध छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी ताकत हैं।

- विष्णु देव साय,
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़



नांदी फाउंडेशन, महिंदा एंड महिंदा, मेस्कॉम जैसे संस्थानों के साथ MOU से युवाओं को आधुनिक तकनीकी, रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण के नए अवसर मिल रहे हैं।

कौशल विकास: सफलता की नई पहचान

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत युवाओं, ग्रामीणों, निर्माण श्रमिकों और विशेष वर्गों को निःशुल्क प्रशिक्षण, प्रमाण-पत्र, प्लेसमेंट सहायता और उद्योगों से जुड़ाव की व्यवस्था की जा रही है। हर्ष साहू (राजनांदगांव), आकांक्षा कुशवाहा (दुर्ग) और आशीष कुमार पटेल (दुर्ग) जैसे हजारों युवा प्रशिक्षण पाकर रोजगार से जुड़े और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रहे हैं।

उद्योगों से साझेदारी, प्रशिक्षण का विस्तार



‘कौशल तिहार’ युवाओं की प्रतिभा को नई पहचान दे रही है। राज्य स्तर पर ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिकल, प्लंबिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर, मोबाइल रिपेयरिंग, ग्राफिक डिजाइन, नवीकरणीय ऊर्जा, हेल्थ केयर तथा रेफ्रिजरेशन जैसे प्रमुख ट्रेड शामिल किए गए हैं।

प्रशिक्षण से रोजगार तक का मजबूत सेतु

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना, पीएम कौशल विकास योजना 4.0 और प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना से आधुनिक उद्योगों के अनुरूप युवाओं को दक्ष बनाया जा रहा है। जनजातीय क्षेत्रों, पुनर्वास केंद्रों और आत्मसमर्पित युवाओं को भी प्रशिक्षण के अवसर मिल रहे हैं। प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति फेस रिकनिशन आधारित प्रणाली से दर्ज की जा रही है, जिससे पारदर्शिता और गुणवत्ता में सुधार हुआ है।

शिक्षा, नवाचार, स्टार्टअप का नया दौर



आधुनिक आईटीआई, लाइलीवुड कॉलेज, AI, रोबोटिक्स, ई-डब और स्टार्टअप प्रोत्साहन कार्यक्रमों से युवा नवाचार की ओर बढ़ रहे हैं। 5,000 स्टार्टअप का लक्ष्य छत्तीसगढ़ के भविष्य की दिशा तय करेगा।

स्वरोजगार से आर्थिक सशक्तीकरण



CMEGP, PMEGP और मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत उद्योग, सेवा और व्यवसाय शुरू करने के लिए ऋण, अनुदान, प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता दी जा रही है। मोबाइल रिपेयरिंग, ब्यूटी पार्लर, डेयरी, मसाला जैसे हजारों सूक्ष्म उद्योग विकसित हो रहे हैं।

कुटीर उद्योगों से गांवों में समृद्धि



खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के माध्यम से महुआ, इमली, साल आदि वन उत्पादों के मूल्य संवर्धन, हस्तशिल्प और ग्रामोद्योग को बढ़ावा देकर ग्रामीण युवाओं के लिए स्थायी आजीविका के अवसर विकसित किए जा रहे हैं।

उद्योगों से साझेदारी, प्रशिक्षण का विस्तार



महिंदा एंड महिंदा के सहयोग से दत्तेवाड़ा, बलरामपुर और कोडगांव में ट्रेक्टर मैकेनिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इससे ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के अवसर खुल रहे हैं।

सुशासन फेलोशिप : नीति निर्माण में भागीदारी



नवंबर 2024 में शुरू मुख्यमंत्री सुशासन फेलोशिप युवाओं को प्रशासन और नीति निर्माण से जोड़कर विकास योजनाओं में योगदान का अवसर प्रदान कर रही है। आईआईएम रायपुर के सहयोग से कार्यक्रम संचालित।

पारदर्शी भर्ती से बढ़ा युवाओं का विश्वास



PSC परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिमित करने के लिए सख्त कदम उठाये गए हैं। प्रयोगशाला परिचारक सहित विभिन्न पदों पर नियुक्ति पत्र देकर हजारों युवाओं के सपनों को नई दिशा दी गई है।

विकास के नए द्वार, भविष्य की मजबूत आधारशिला



नई औद्योगिक नीति 2024-30, बड़े निवेश प्रस्ताव, मेडिसिटी, फिल्म सिटी, IT, AI, फार्मा, एग्रो प्रोसेसिंग और पर्यटन परियोजनाओं से लाखों रोजगार अवसर सृजित होंगे। बस्तर और सरगुजा में होम स्टे, वन उत्पाद आधारित उद्योग और स्थानीय संसाधनों पर आधारित उद्यमों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

युवा उपलब्धियां

8.43 लाख
युवाओं को प्रशिक्षण

2.66 लाख
से अधिक युवाओं को रोजगार

5000
स्टार्टअप विकसित करने का लक्ष्य

कौशल तिहार
2025 से हुनर को नई पहचान

विश्व रिकल्स 2026, शंघाई में भारत का प्रतिनिधित्व

मुख्यमंत्री
सुशासन फेलोशिप नवंबर 2024

आधुनिक आईटीआई AI, रोबोटिक्स और डिजिटल शिक्षा

उद्योगों से साझेदारी और MOU, के जरिए रोजगार के अवसर

पारदर्शी भर्ती से युवाओं का विश्वास और मजबूत

नई पीढ़ी, नया विश्वास, नया छत्तीसगढ़

युवा शक्ति ही विकसित छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी ताकत है। सरकार की योजनाएं युवाओं को हुनर, संसाधन, अवसर और आत्मविश्वास प्रदान कर रही हैं। रोजगार से लेकर स्वरोजगार तक कौशल से लेकर नवाचार तक और शिक्षा से लेकर उद्यमिता तक, हर क्षेत्र में युवा परिवर्तन के वाहक बन रहे हैं। यही युवा शक्ति आने वाले वर्षों में आत्मनिर्भर, समृद्ध और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की सबसे मजबूत आधारशिला सिद्ध होगी।



शिक्षा
सशक्तीकरण



तकनीकी
शिक्षा



नवाचार और
स्टार्टअप



उद्योगों से
साझेदारी



रोजगार और
स्वरोजगार



युवा सशक्त
छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री निवास में विराजे भगवान गणेश



भगवान गणेश से प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना

गणेश चतुर्थी का पर्व हमारी समृद्ध संस्कृति, आस्था और सामाजिक एकता का प्रतीक - मुख्यमंत्री श्री साय

रायपुर। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर आज मुख्यमंत्री निवास में भगवान श्री गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने परिवारजनों के साथ पूरे विधि-विधान और पारंपरिक रीति-रिवाज से विघ्नहर्ता भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की तथा प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की मंगलकामना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को गणेश चतुर्थी की

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्री गणेश बुद्धि, और विवेक के प्रतीक हैं। किसी भी शुभ कार्य का प्रारंभ भगवान गणेश की आराधना से करने की हमारी प्राचीन परंपरा रही है। गणेशोत्सव हमारी आस्था का पर्व होने के साथ ही समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और एकजुटता को सुदृढ़ करने वाला उत्सव भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति में तीज-त्योहारों और उत्सवों का विशेष महत्व है। हमारे पर्व हमें अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ परिवार और समाज को भी एक सूत्र में पिरोते हैं। गणेशोत्सव का उल्लास भी हमें सामूहिकता, सद्भाव और लोकमंगल की भावना से जोड़ता है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के परिवारजन, मुख्यमंत्री के सलाहकार डॉ. धीरेंद्र तिवारी, मुख्यमंत्री के प्रेस अधिकारी श्री आलोक सिंह तथा मुख्यमंत्री निवास कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

नवा रायपुर में आज से सजेगा गोल्फ का रोमांच

रायपुर। नवा रायपुर को गोल्फ खेल के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने और प्रदेश में खेल पर्यटन को नई ऊंचाई देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल 'नवा रायपुर ओपन 2026' का शुभारंभ 15 सितंबर को होगा। फेयरवे गोल्फ एंड लेक रिजॉर्ट, नवा रायपुर में आयोजित उद्घाटन समारोह एवं प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।आयोजन में भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी एवं डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई के अध्यक्ष श्री कपिल देव तथा डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अमनदीप जौहल की विशिष्ट उपस्थिति रहेगी। राष्ट्रीय स्तर के खेल दिग्गजों की मौजूदगी से नवा रायपुर में आयोजित इस प्रतियोगिता को नई पहचान मिलने के साथ प्रदेश में गोल्फ और खेल पर्यटन को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

चौपियन बनी भारतीय टीम, वित्त मंत्रीने दी बधाई



रायपुर। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को महिला टी-20 एशिया कप 2026 का खिताब जीतने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।श्री चौधरी ने भारतीय टीम की इस शानदार उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि टीम की प्रतिभा, मेहनत, आत्मविश्वास और शानदार प्रदर्शन ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय महिला खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल भावना और दृढ़ संकल्प के साथ एशिया कप की ट्रॉफी अपने नाम कर देशवासियों को गौरव का अवसर दिया है। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने पूरी टीम, कोचिंग स्टाफ और सहयोगी सदस्यों को इस ऐतिहासिक सफलता के लिए बधाई देते हुए भारतीय महिला क्रिकेट के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राजधानी

सेवा संकल्प अभियान को जनभागीदारी का उत्सव बनाएं : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले ‘सेवा संकल्प अभियान’ से पूरे उत्साह और आत्मीयता के साथ जुड़ने की अपील की है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों के नाम जारी अपनी अपील में कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष राष्ट्र और जनसेवा को समर्पित किए हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर के परिप्रेक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक पूरे देश में ‘सेवा संकल्प अभियान’ आयोजित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सेवा छत्तीसगढ़ की संस्कृति और संस्कारों का अभिन्न हिस्सा है। प्रदेश का प्रत्येक नागरिक अपनी सहभागिता से इस अभियान को जनसेवा और

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर की संध्या हर घर में ‘आशीर्वाद का दीया’ जलाने का किया आह्वान

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों से सेवा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जरूरतमंदों की सहायता के कार्यों से जुड़ने की अपील की

‘आशीर्वाद का दीया’ प्रधानमंत्री के स्वस्थ एवं सुदीर्घ जीवन की शुभकामनाओं के साथ सेवा, जनकल्याण और विकसित भारत के संकल्प का बने प्रतीक - मुख्यमंत्री श्री साय

जनभागीदारी का व्यापक उत्सव बनाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान सेवा के भाव को जन-जन तक पहुंचाने और समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपने

दायित्वों को सहभागिता के साथ निभाने का अवसर है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वे अपने गांव, शहर और आसपास से इस अभियान को जनसेवा और

जरूरतमंदों की सहायता और जनसेवा से जुड़े कार्यों में सक्रिय सहभागिता से जुड़े कार्यों में सक्रिय सहभागिता

निभाएं तथा अधिक से अधिक लोगों को भी इस अभियान से जोड़ें। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीब कल्याण और विकास की योजनाओं ने लाखों परिवारों के जीवन के स्वस्थ और सुदीर्घ जीवन के लिए

छत्तीसगढ़वासियों की शुभकामनाओं

जन-जन तक पहुंचेगा ‘सेवा संकल्प अभियान’: चौधरी



रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुरक्षासन एवं जनकल्याण के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा और समर्पण के 25 वर्ष रू सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने वर्चुअल माध्यम से बैठक में सहभागिता की। बैठक में मंत्री श्री दयालदास बबेल, मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, अभियान के संयोजक, सह-संयोजक एवं सदस्यों के साथ ‘सेवा की कहानी’ और ‘सेवा मेरा योगदान’ थीम को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 25 वर्षों के सेवा, सुरासन और जनकल्याण की यात्रा

देशवासियों के लिए प्रेरणादायी है। इस यात्रा के दौरान जनसेवा के माध्यम से समाज में आए सकारात्मक बदलावों और सेवा कार्यों की कहानियों को जन-जन तक पहुंचाना अभियान का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि ‘सेवा की कहानी’ के माध्यम से सेवा और जनकल्याण से जुड़े प्रथम अनुभवों को सामने लाया जाएगा, वहीं ‘सेवा मेरा योगदान’ के माध्यम से नागरिकों को सेवा कार्यों में अपनी सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया जाएगा। सेवा और समर्पण की भावना को जनभागीदारी का स्वरूप देते हुए विकसित भारत-2047 के संकल्प को मजबूत करना अभियान की प्रमुख भावना है। बैठक में दोनों थीम के अंतर्गत आयोजित किए जाने वाले आगामी कार्यक्रमों, उनकी रूपरेखा, जनभागीदारी और प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही अभियान को व्यापक एवं प्रभावी स्वरूप देने के लिए सभी स्तरों पर समन्वय के साथ कार्य करने पर जोर दिया गया।

पैरामेडिकल शिक्षा को निजी हाथों में सौंपना, गलत :डॉ. महंत

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने राज्य सरकार द्वारा चिकित्सा और पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों को आयुष विश्वविद्यालय के नियंत्रण से मुक्त कर निजी विश्वविद्यालय को सौंपने की चल रही कवायद पर कड़ा एतराज जताया है।डॉ. महंत ने इस मामले में राज्यपाल महोदय को पत्र प्रेषित कर व्यापक जनहित और लाखों छात्रों के

भविष्य को देखते हुए इस प्रक्रिया को तुरंत निरस्त करने का आग्रह किया है।डॉ. महंत ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विगत 26 वर्षों से चिकित्सा, पैरामेडिकल सहित अन्य तकनीकी पाठ्यक्रम आयुष विश्वविद्यालय अधिनियम 2008 एवं तकनीकी विश्वविद्यालय अधिनियम के तहत पूरी पारदर्शिता,विश्वसनीयता और उच्च गुणवत्ता के साथ संचालित हो रहे हैं। वर्तमान में प्रदेश के लगभग 5 लाख युवा इन पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर अपने

भविष्य का निर्माण कर रहे हैं।कार्य परिषद के विरोध की अनदेखी - आयुष विश्वविद्यालय की कार्य परिषद ने पहले ही चिकित्सा और पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों को निजी विश्वविद्यालय को सौंपने के प्रस्ताव पर अपनी स्पष्ट असहमति दर्ज कराई है। इसके बावजूद शासन स्तर पर इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाना संदेहास्पद और अनुचित है। गरीब व वंचित वर्ग के हितों पर कुठाराघात - इन पाठ्यक्रमों के निजीकरण से उच्च शिक्षा अत्यधिक महंगी होगी।

विद्यार्थियों का मिलाई स्टील प्लांट का इंडस्ट्रियल विजिट

रायपुर। हिदायतुल्लाह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (एचएनएलयू), रायपुर के पंचम सेमेस्टर के लेबर लॉ के विद्यार्थियों ने 12 सितम्बर 2026 को भिलाई स्टील प्लांट का इंडस्ट्रियल फील्ड विजिट किया। इस विजिट के माध्यम से विद्यार्थियों को भारत की प्रमुख स्टील मैनुफैक्चरिंग सुविधाओं में से एक के कामकाज और संचालन को करीब से समझने का महत्वपूर्ण व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। इस सेवा और समर्पण की भावना को जनभागीदारी का स्वरूप देते हुए विकसित भारत-2047 के संकल्प को मजबूत करना अभियान की प्रमुख भावना है। बैठक में दोनों थीम के अंतर्गत आयोजित किए जाने वाले आगामी कार्यक्रमों, उनकी रूपरेखा, जनभागीदारी और प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही अभियान को व्यापक एवं प्रभावी स्वरूप देने के लिए सभी स्तरों पर समन्वय के साथ कार्य करने पर जोर दिया गया।

आवास, स्वच्छ पेयजल, बिजली, सड़क, बेहतर स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हुआ है। विकास की प्रत्येक उपलब्धि के केंद्र में आम नागरिकों के पूरे होते सपने, उनका बढ़ता आत्मविश्वास और जीवन में आती खुशहाली है।

17 सितंबर की संध्या जलाएं ‘आशीर्वाद का दीया’

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर प्रदेशवासियों से एक विशेष और आत्मीय अपील भी की है। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर को संध्या 7 बजे प्रत्येक परिवार अपने घर में ‘आशीर्वाद का दीया’ अवश्य जलाए और अपने आसपास के लाभार्थी परिवारों को भी इस पहल से जोड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दीया प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ और सुदीर्घ जीवन के लिए छत्तीसगढ़वासियों की शुभकामनाओं

का प्रतीक होने के साथ सेवा, जनकल्याण और विकसित भारत के निर्माण के सामूहिक संकल्प का भी है। विकास की प्रत्येक उपलब्धि के केंद्र में आम नागरिकों के पूरे होते सपने, उनका बढ़ता आत्मविश्वास और जीवन में आती खुशहाली है।

छत्तीसगढ़वासियों की शुभकामनाओं

पीएससी युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रहा है : दीपक बैज

रायपुर।। प्रदेश कांग्रेस

अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने वादा किया था कि हम यूपीएससी की तर्ज पर पीएससी की परीक्षा आयोजित करारेंगे लेकिन पिछले दो बार से पीएससी की परीक्षाओं में गड़बड़ियां हो रही है।

2025 में पीएससी के द्वारा कुल 265 पद निकाला गया। मुख्य परीक्षा में कुल पद के तीन गुना लोग उत्तीर्ण होकर साक्षात्कार में आते 265 x3 = 795 इंटरव्यू में आना चाहिए। 608 लोग ही उत्तीर्ण इंटरव्यू में पहुंचे।इनका तर्क है कि 187 बच्चे न्यूनतम नंबर नहीं ला पाये।आयोग साबित करे कि 187 बच्चे न्यूनतम नंबर नहीं लाये।बच्चों का दावा है कि हमारा न्यूनतम नंबर तो आया ही होगा।आयोग इंटरव्यू के पहले सभी बच्चों को कॉपी उपलब्ध कराये।



मिलना चाहिए।

? छत्तीसगढ़ में होमरूल लोग की स्थापना- प्रथम छात्र ने होमरूल लोग का सही उतर लिखा जिसे 4 में 2.5 अंक मिला, जबकि दूसरे छात्र ने होमरूल लोग को वर्ष 1923 एवं

? 2024 की मुख्य परीक्षा में कापी जांचने में गड़बड़ी हुई है। पिछली परीक्षा 2024 के दो अर्थर्थियों की कार्रप्रां सामने है जिसमें मूल्यांकन में बड़बड़ी सामने है-प्रश्न क्रमांक 5(i)(a), (b) में दोनों के उत्तर सही व समान है, लेकिन प्रथम वाले छात्र को 2 में से 0 अंक एवं दूसरे छात्र को 2 में 2 अंक दिया गया है।भक्तिन माता राजिम - राजिम भक्तिन माता तैलन वाले उत्तर में प्रथम छात्र को सही लिखने पर 8 में 3.5 अंक, जबकि दूसरे छात्र ने गलत उत्तर (कोण्डगांव व आदिवासी समाज की देवी) लिखा है लेकिन उन्हें 1.5 अंक मिला। जबकि इसमें इनको शून्य नंबर

पिछली परीक्षा 2024 के दो अर्थर्थियों की कार्रप्रां सामने है जिसमें मूल्यांकन में बड़बड़ी सामने है-प्रश्न क्रमांक 5(i)(a), (b) में दोनों के उत्तर सही व समान है, लेकिन प्रथम वाले छात्र को 2 में से 0 अंक एवं दूसरे छात्र को 2 में 2 अंक दिया गया है।भक्तिन माता राजिम - राजिम भक्तिन माता तैलन वाले उत्तर में प्रथम छात्र को सही लिखने पर 8 में 3.5 अंक, जबकि दूसरे छात्र ने गलत उत्तर (कोण्डगांव व आदिवासी समाज की देवी) लिखा है लेकिन उन्हें 1.5 अंक मिला। जबकि इसमें इनको शून्य नंबर

? बौद्ध धर्म में महाभिन्नकमण - महाभिन्नकमण का दोनों छात्रों ने सही उतर लिखा। एक छात्र को 2 में 0.5 अंक, जबकि दूसरे छात्र को 2 में 1.5 अंक मिला।

राज्य में सुशासन नहीं कुशासन है: आम आदमी पार्टी

रायपुर। आम आदमी पार्टी के नेताओं द्वारा प्रदेश कार्यालय में मुख्य प्रवक्ता सूरज उपाध्याय, प्रदेश प्रवक्ता विजय कुमार झा, बस्तर लोकसभा अध्यक्ष नरेंद्र नाग, रायपुर लोकसभा अध्यक्ष अजीम खान और प्रदेश सचिव संजय गुप्ता द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि प्रदेश में लगातार शराब में मिलावट जारी है। पिछले दिनों मध्य प्रदेश में मिलावट शराब से 52 लोगों को लोगों की जान गई उस पर राज्य सरकार चेती नहीं है। पिछले दिनों भानुप्रतापपुर में ऐसी शराब पकड़ी गयी जिस शराब के लिए शौकीन अपनी जेब ढीली कर रहे थे, उसमें कई महौनों से गाढ़ा पानी पिलाकर %पूर्व% बनाया जा रहा था। वहां जब छापेमारी की गयी तो रूम से एक- दो नहीं, बल्कि दो पिकअप गाड़ियां भरकर खाली बोटलें और फर्जी ढक्कन रिटर्न करामद हुए हैं। सोचिए, जिस विभाग पर आबकारी व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी थी, उसी कर्मचारी के ठिकाने पर अंग्रेजी शराब में पानी मिलाने का कुटीर उद्योगधड़ले से फल-फूल रहा था।पिछले दिनों आम आदमी पार्टी लोकसभा क्षेत्र जांजगीर-चांपा के प्राधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने किसानों की एपीस्टेक, रकबा समर्पण के नाम पर किसानों से कम धान खरीदने की साजिश,विभिन्न समस्याओं और उनके शोषण के विषय में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के खिलाफ काली पट्टी लगाकर जोरदार प्रदर्शन किया।

छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार

भारत-जापान के बीच सांस्कृतिक जुड़ाव शिक्षा और तकनीक दे रहे नया विस्तार : मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित एहिमे यूनिवर्सिटी से आए 17 सदस्यीय छात्र प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। भारत-जापान इंटर एक्सचेंज कार्यक्रम के अंतर्गत तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण पर छत्तीसगढ़ पहुंचे विद्यार्थियों से मुख्यमंत्री श्री साय ने आत्मीय संवाद किया। इस दौरान भारत और जापान के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक संबंधों, बौद्ध विरासत, शिक्षा, अनुसंधान, तकनीकी नवाचार, स्टार्टअप तथा दोनों देशों के युवाओं के बीच बढ़ते संवाद

सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने जापानी छात्र-छात्राओं का छत्तीसगढ़ की धरती पर आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि भारत और जापान की मित्रता की जड़ें दोनों देशों की प्राचीन सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत में गहराई से जुड़ी हुई हैं। समय के साथ यह संबंध संस्कृति और आध्यात्मिकता से आगे बढ़कर शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, नवाचार और आर्थिक सहयोग के अनेक क्षेत्रों तक विस्तृत हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत और जापान आज परंपरा और



आधुनिकता के सुंदर समन्वय के साथ विश्व के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास और सम्मान की मजबूत नींव है। युवाओं तथा विद्यार्थियों के बीच इस प्रकार के शैक्षणिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान से यह संबंध आने

वाली पीढ़ियों में और अधिक मजबूत होगा।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारत भगवान बुद्ध के शांति, करुणा, मैत्री और मानव कल्याण के संदेश ने दुनिया के अनेक देशों को प्रभावित किया और जापान की संस्कृति में भी बौद्ध दर्शन की गहरी छाप दिखाई देती है। यही साझा आध्यात्मिक विरासत भारत और जापान को एक विशिष्ट सांस्कृतिक सूत्र में जोड़ती है।उन्होंने जापानी विद्यार्थियों को छत्तीसगढ़ की समृद्ध पुरातात्विक विरासत की जानकारी देते हुए

सिरपुर, मैनपाट और भोंगापाल जैसे महत्वपूर्ण स्थलों का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महानदी के तट पर स्थित सिरपुर छत्तीसगढ़ की प्राचीन सभ्यता, कला, स्थापत्य और बौद्ध विरासत का अद्भुत केंद्र है। यहां प्राप्त पुरातात्विक अवशेष प्रदेश के गौरवशाली इतिहास और विभिन्न संस्कृतियों के समन्वय की कहानी बताते हैं।हमारा प्रयास है कि दुनिया के विभिन्न देशों से आने वाले विद्यार्थी, शोधार्थी और पर्यटक छत्तीसगढ़ आएंगे, यहां की विरासत को जानें और प्रदेश के साथ ज्ञान एवं संस्कृति का एक स्थायी संबंध स्थापित करें।

सिक्ख समाज द्वारा शुरू किए गए ऑनलाइन सिक्ख परिवार सर्वेक्षण एवं जनगणना फॉर्म की सराहना की

रायपुर। प्रसिद्ध कीर्तनकार एवं रागी भाई भूपिंदर सिंह फिरोजपुर वालों ने छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज द्वारा समाज के परिवारों को एक डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ने के उद्देश्य से चलाए जा रहे ऑनलाइन सिक्ख परिवार सर्वेक्षण एवं जनगणना फॉर्म की सराहना की।

श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाई भूपिंदर सिंह ने ऑनलाइन सर्वेक्षण फॉर्म के त्क्र कोड का लोकार्पण करते हुए कहा कि समाज की एकजुटता, परिवारों की जानकारी और नई पीढ़ी के बेहतर भविष्य की दिशा में इस प्रकार का डिजिटल प्रयास अत्यंत उपयोगी और सराहनीय है।

योजनाबद्ध तरीके से कार्य करना है। जिसके तहत इसकी जानकारी गुरुद्वारा गोबिंद नगर में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर संगत को इस ऑनलाइन परिवार सर्वेक्षण एवं जनगणना फॉर्म को भरने का आग्रह किया गया। इस अवसर पर मनजीत सिंह भाटिया, दशमीत सिंह चावला, समाजसेवक परविंदर सिंह भाटिया, गुरुद्वारा गोविंद नगर के सचिव मन्दिनर सिंह रखराज सहित समाज की प्रमुख महिलाएं एवं अन्य संगतजन उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज ने सभी सिक्ख परिवारों से अपील की है कि वे ऑनलाइन सर्वेक्षण फॉर्म भरने के साथ इसे अन्य सिक्ख परिवारों तक भी पहुंचाएं।

